ಕರ್ನಾಟಕ ವಸತಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸಂಘ

कोशिश

एक कदम आगे...

अध्ययन सामग्री

हिंदी वल्लरी

Third Language Hindi

तृतीय भाषा हिंदी

10 दसवीं कक्षा

संपादक

डॉ. एन. देवराज

M.A M.Ed Ph.D M.B.A

श्री बसवराज भूती

M.A B.Ed

Karnataka Residential Educational Institutions Society. Bengaluru

ಕರ್ನಾಟಕ ವಸತಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸಂಘ

कोशिश

एक कदम आगे...

अध्ययन सामग्री

दसवीं कक्षा 10

हिंदी वल्लरी

Third Language Hindi

तृतीय भाषा हिंदी

ಸಂಪಾದಕರು:

ಡಾ. ಎನ್ ದೇವರಾಜ್

ಎಮ್.ಎ, ಎಮ್.ಎಡ್, ಪಿಎಚ್.ಡಿ, ಎಮ್.ಬಿ.ಎ
ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು
ಮೊರಾರ್ಜಿ ದೇಸಾಯಿ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಸಾಮಾನ್ಯ)
ಚಾಮರಾಜಪೇಟೆ ಬೆಂಗಳೂರು - 560 018
ಮೊ. ನಂಬರ : 9449214660

ಶ್ರೀ ಬಸವರಾಜ ಭೂತಿ

ಎಮ್. ಎ, ಬಿ.ಎಡ್
ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು
ಕಿತ್ತೂರು ರಾಣಿ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಪ.ಪಂ) ಬೇವಿನಹಳ್ಳಿ ಕ್ರಾಸ್, ಶಹಾಪುರ. ಜಿಲ್ಲಾ ಯಾದಗಿರ. 585 223
ಮೊ. ನಂಬರ : 9900804567

पाठ - 1 मातृभूमि

- कवि :- भगवती चरण वर्मा

- कवि :- भगवती चरण वर्मा

इस कविता के द्वारा कवि मातृभूमि की विशेषता का परिचाय देते हुए छात्रों के मन में देश प्रेम का भाव जागना चाहते है |

कवि परिचय- भगवतीचर्णा वर्मा

जन्म : सन 30 अगस्त 1903

स्थल : उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिला के शफ़ीपुर गाँव मे हुआ |

शिक्षा : इलाहाबाद से बी.ए एल.एल.बी की डिग्री प्राप्त की |

क्रया क्षेत्र : विचार और नवजीवन पत्रिका के संपादक थे| और आकाश वाणी मे का करते थे|

पुरस्कार : भूले - बिसरे चित्रा को साहित्या अकाडेमी पुरस्कार

रचनाएँ : चित्रा लेखा उपन्यास पर दो बार फिल्म निर्माण हुआ है |

- ✓ उपन्यास : टेढ़े-मेढ़े रास्ते, पतन, तीन वर्ष, अपने किलौने
- ✓ कहानी संग्रह : मेरी कहानियाँ, सम्पूर्ण कहानियाँ, मोर्चा बंदी
- ✓ कविता संग्रह : मेरी कविताएँ, सवनीय, और एक नाराज
- ✓ नाटक : मेरे नाटक, वसीयत

मृत्यु : सन 5 अक्तूबर 1981

➢ शब्दार्थ :

- ➢ शाहित – सोया हुआ,
- ➢ अमर - मृत्युहीन, जो कभी नहीं मारता; हस्त - हाथ,
- ➢ सुहाने = सुंदर,
- ➢ धाम = घर,
- ➢ गुँजना = प्रतिद्वनित होना

➢ युग्म शब्द :

हरे-भरे, फल-फूल, वन-उपवन, सूखा-संपत्ति, धन-धाम

द्विरुक्ति :
शत-शत, कोटी-कोटी

कोशिश एक कदम आगे..

“ಮಾತೃಭೂಮಿ” ಕವಿತೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಾರಾಂಶ

ಹೇ ಮಾತೃಭೂಮಿ ನಿನಗೆ ಶತ-ಶತ ಪ್ರಣಾಮಗಳನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸುವೆನು, ಎಷ್ಟೋ ಅಮರರಿಗೆ ಜನ್ಮ ನೀಡಿದ ಜನನಿ ನಿನಗೆ ವಂದನೆಗಳು. ತಾಯಿಯೇ ನಿನಗೆ ಸಾವಿರ ಸಾವಿರ ಪ್ರಣಾಮಗಳು. ನಿನ್ನ ಹೃದಯದಲ್ಲಿ ಗಾಂಧೀಜಿ, ಬುದ್ಧ ಮತ್ತು ರಾಮ ಅನೇಕ ನಿದ್ರಿಸುತ್ತಿರುವಂತಹ ಮಾತೃ ಭೂಮಿ ನಿನಗೆ ಸಾವಿರ ಸಾವಿರ ಪ್ರಣಾಮಗಳು.

ಹೊಲಗಳು ಹಸಿರನ್ನು ತುಂಬಿಕೊಂಡು ಸುಂದರವಾಗಿ ಕಂಗೊಳಿಸುತ್ತಿವೆ, ವನ ಉಪವನಗಳು ಹಣ್ಣುಗಳಿಂದ ತುಂಬಿವೆ ನಿಂತಿವೆ, ತಾಯೆ ನಿನ್ನೊಳಗೆ ಎಷ್ಟೊಂದು ನಿನ್ನಲ್ಲಿ ಖನಿಜ ಸಂಪತ್ತು ತುಂಬಿಕೊಂಡಿರುವೆ. ಅವುಗಳನ್ನೆಲ್ಲ ನೀನು ನಿನ್ನ ಮುಕ್ತ ಹಸ್ತಗಳಿಂದ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಸುಖ-ಸಂಪತ್ತು ಧನ ಮತ್ತು ಇರಲು ಮನೆಗಳನ್ನು ಹಂಚುತ್ತಿರುವೆ, ಹೇ ಮಾತೃಭೂಮಿಯೆ ನಿನಗೆ ಸಾವಿರ ಸಾವಿರ ಪ್ರಣಾಮಗಳು.

ತಾಯೆ ನೀನು ಒಂದು ಕೈಯಲ್ಲಿ ನ್ಯಾಯದ ದ್ವಜ ಹಿದಿದಿರುವೆ, ಇನ್ನೊಂದು ಕೈಯಲ್ಲಿ ಜ್ಞಾನದ ದೀಪ, ಜ್ಞಾನದ ಜ್ಯೋತಿಯನ್ನು ಹಿಡಿದು ಅಜ್ಞಾನದ ಕತ್ತಲೆ ಕಳೆದು ಸುಜ್ಞಾನದ ಬೆಳಕು ನೀಡುವ. ಇವುಗಳಿಂದ ಈ ಜಗತ್ತಿನ ರೂಪವನ್ನು ಬದಲಿಸು ಮಾತೆ. ಇಂದು ನಿನ್ನ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿ ಕೋಟಿ ಕೋಟಿ ಜನರು ಇದ್ದೇವೆ. ನಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಜೈ ಹಿಂದ ದ್ವನಿಯು, ಎಲ್ಲಾ ನಗರಗಳಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿಧ್ವನಿಸಲಿ. ಇಂತಹ ಮಾತೃಭೂಮಿ ನಿನಗೆ ಸಾವಿರ ಸಾವಿರ ಪ್ರಣಾಮಗಳು.

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. **कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं ?**

   उत्तर : कवि मातृभूमि को प्रणाम कर रहे हैं।

2. **भारत माँ के हाथों में क्या है ?**

   उत्तर : भारत माँ के हाथों में न्याय पताका तथा ज्ञान-दीप हैं।

3. **आज माँ के साथ कौन है ?**

   उत्तर : आज माँ के साथ कोटि-कोटि भारतवासी हैं।

4. **सभी ओर क्या गूँज उठा है ?**

   उत्तर : सभी ओर जय-हिंद के नाद का गूँज उठा है।

5. **भारत के खेत कैसे हैं ?**

   उत्तर : भारत के खेत हरे-भरे तथा सुहाने हैं।

6. **भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है ?**

   उत्तर : भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है।

7. **सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ कैसे बाँट रही है ?**

   उत्तर : सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ मुक्त हस्त से बाँट रही है।

एक कदम आगे.. कोशिश

8. **जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं ?**

उत्तर : जग के रूप को बदलने के लिए कवि भारत माता निवेदन करते हैं।

9. **'जय-हिंद' का नाद कहाँ-कहाँ पर गूँजना चाहिए ?**

उत्तर : 'जय-हिंद' का नाद भारत के सकल नगर और ग्राम में गूँजना चाहिए।

II . दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. भारत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

उत्तर : भारत माँ के यहाँ हरे-भरे खेत, फल-फूलों से युत वन-उपवन तथा खनिजों का व्यापक धन है। इस प्रकार प्राकृतिक सौंदर्य ने सबको मोह लिया है ।

2. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर : मातृभूमि अमरों की जननी है। उसके हृदय में गांधी, बुद्ध और राम समायित हैं। माँ के एक हाथ में न्याय पताका तथा दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है। इस प्रकार मातृभूमि का स्वरूप सुशोभित है ।

IV अनुरूपता:

1. वसीयत : नाटक :: चित्रलेखा : .... उत्तर : उपन्यास
2. शत-शत : द्विरुक्ति :: हरे-भरे : .... उत्तर : युग्म
3. बायें हाथ में : न्याय पताका :: दाहिने हाथ में .... उत्तर : ज्ञानदीप
4. हस्त ::हाथ-:: पताका : .... उत्तर : झंडा

V दोनों खंडों को जोड़कर लिखिए |

1. तेरे उर में शायित	अ. वन-उपवन
2. फल-फूलों से युत	आ. आज साथ में
3. एक हाथ में	इ. कितना व्यापक
4. कोटि-कोटि हम	ई. शत-शत बार प्रणाम
5. मातृ-भू	उ. न्याय-पताका
	ऊ. गाँधी, बुद्ध और राम

उत्तर: 1.ऊ 2.अ 3.उ 4.आ 5. ई

VI रिक्त स्थान की पूर्ति :

1. कवि मातृभूमि को **शत-शत** बार प्रणाम कर रहे हैं।
2. भारत माँ के उर में गाँधी, बुद्ध और राम **शायित** हैं।
3. वन, उपवन **फल-फूलों** से युक्त है।
4. **मुक्त** हस्त से मातृभूमि सुख-संपत्ति बाँट रही।
5. सभी ओर **जय-हिन्द** का नाद गुंज उठे।

VI भावार्थ लिखिए :

एक हाथ में न्याय-पताका,
ज्ञान-दीप दूसरे हाथ में,
जग का रुप बदल दे, हे माँ,
कोटि-कोटि हम आज साथ में ।
गूँज उठे जय-हिंद नाद से –
सकल नगर और ग्राम,
मातृ-भू, शत-शतब बार प्रणाम ।

भावार्थ :

उपर्युक्त पंक्तियों को कवि भगवतीचरण वर्मा द्वारा रचित ‘मातृभूमि’ नामक कविता भाग से लिया गया है।कवि भारत माता की न्यायनिष्टा, ज्ञानशक्ति तथा महानता के बारे में बताते हुए इस प्रकार लिखते हैं कि – हे भारत माता ! तेरे एक हाथ में न्याय की पताका तो दुसरे हाथ में ज्ञान का दीपक है।अब तू संसार का रूप बदल दे माँ! आज हम करोड़ों भारतवासी तुम्हारे साथ हैं। हे मा ! पूरे देश के गाँव-गाँव तथा नगर-नगर में ‘जय-हिंद’ का नाद गूँज उठे यही हमारी आशा है। भारत माता तुम्हे सौ-सौ बार प्रणाम।

VIII पद्या भाग पूर्णा कीजिए :

हरे-भरे ....
.... हुआ है।
....
....
.... प्रणाम।

हरे-भरे हैं खेत सुहाने,
फल-फूलों से युत वन-उपवन,
तेरे अन्दर भरा हुआ है।
खनिजों का कितना व्यापक धन ।
मुक्त-हस्त तू बाँट रही है
सुख-संपत्ति, धन-धाम,
मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम

पाठ - 2 कश्मीरी सेब

- लेखक :- प्रेमचंद

- प्रेमचंद

इस कहानी में बाजार में लोगों के साथ होनेवाली धोखेबाज़ी पर प्रकाश डाला गया है। ख़रीदारी करते समाय सावधानी बरतने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया है।

लेखक परिचय- प्रेमचंद

जन्म : 31 जुलाई 1880

स्थल : वारणासी के पास लमही गाँव मे हुआ |

वास्तविक : धनपतराय था |

शिक्षा : वे मेट्रिक तक ही पढ़ पाये |

क्र्या क्षेत्र : वे शिक्षा विभाग मे नौकरी करते थे|

साहित्यिक विध यथार्थवादी कथाकार थे |

रचनाएँ :

- ✓ उपन्यास : गोदान, सेवासदन, गबन, निर्मला, कर्मभूमि
- ✓ कहानी संग्रह : बड़े घर की बेटी, नमक का दरोगा, पंच परमेश्वर, पूस की रात आदि,| प्रेमचंद की कहानियाँ 'मानस सरोवर' नाम से संकलित है |
- ✓ मृत्यु : सन 5 अक्तूबर 1981

पाठ का आशय –

लेखक अपना अनुभव बताते हुए पाठकों को सचेत करते है कि अगर ख़रीदारी करते समय सावधानी नहीं बरतें तो धोका खाने कि संभावना होती है

ಕಾಶ್ಮೀರಿ ಸೇಬುಹಣ್ಣು ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸಾರಾಂಶ:

ಈ ಕಥೆಯಲ್ಲಿ ಲೇಖಕರು ಮಾರುಕಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ಆಗುವ ಮೋಸದ ಬಗ್ಗೆ ತಿಳಿಸಿ ಗ್ರಾಹಕರು ಜಾಗರೂಕರಾಗಿರು ವಂತೆ ಕರೆ ನೀಡಿದ್ದಾರೆ.

ಲೇಖಕರು ಕೆಲ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಕೊಳ್ಳಲು ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ಹೋಗುತ್ತಾರೆ. ಅಂಗಡಿಯಲ್ಲಿ ಒಳ್ಳೆಯ ಬಣ್ಣದ ಸೇಬನ್ನು ನೋಡಿ ಕೊಳ್ಳುವ ಮನಸ್ಸಾಗುತ್ತದೆ. ಇತ್ತೀಚೆಗೆ ಜನರಿಗೆ ಆರೋಗ್ಯದ ಬಗ್ಗೆ ಬಹಳ ಕಾಳಜಿ. ಮೊದಲಿಗೆ ಟೊಮೆಟೋವನ್ನು ಬಳಸುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ. ಈಗ ಅದಕ್ಕೆ ಪ್ರಾಶಸ್ತ್ಯ ಸಿಕ್ಕಿದೆ. ಮೊದಲಿಗೆ ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಬಡವರವಾಗಿತ್ತು. ಈ ಶ್ರೀವಂತರಿಗೆ ಮೀಸಲು, ಇದೆಲ್ಲ ಯೋಚಿಸಿ ಲೇಖಕರು ಸೇಬನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ನಿರ್ಧರಿಸುತ್ತಾರೆ. ಅಂಗಡಿಯವನು ಕಾಶ್ಮೀರದ ಸ್ವಾದಿಷ್ಟ ಸೇಬು ಬಂದಿದೆ ಕೊಳ್ಳಿರೆಂದು ಹೇಳಿದ. ಲೇಖಕರು ತಮ್ಮ ಕೈಚಾರವನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಸೇಬುಹಣ್ಣನ್ನು ಕಟ್ಟಲು ಹೇಳಿದರು.

ಬೆಳಗಿನ ಜಾವ ಉಪಹಾರಕ್ಕಾಗಿ ಸೇಬುಹಣ್ಣನ್ನು ತಿನ್ನಲು ತೆಗೆದಾಗ ಒಂದು ಹಣ್ಣು ಕೊಳೆತುಹೋಗಿತ್ತು. ಒಂದೂ ಕೊಳೆತಿತ್ತು. ಅಂಗಡಿಯವನು ಮೋಸ ಮಾಡಿದ ಎನಿಸಿತು. ಮೂರನೇ ಹಣ್ಣು ಕೊಳೆಯದಿದ್ದರೂ ಮೆತ್ತಗಾಗಿತ್ತು. ನಾಲ್ಕನೆಯದೂ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಿರಲಿಲ್ಲ. ಲೇಖಕರಿಗೆ ದುಡ್ಡಿನ ಬಗ್ಗೆ ಚಿಂತೆಯಿಲ್ಲ. ಅಂಗಡಿಯವನು ಮಾಡಿದ ಮೋಸದ ಬಗ್ಗೆ ಬೇಸರ, ಆದರೆ ಮೋಸದಲ್ಲಿ ಲೇಖಕರ ಪಾತ್ರವೂ ಇತ್ತು. ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ನೀಡಿ ಖರೀದಿಸಬೇಕಿತ್ತು. ಅವಕಾಶ ಸಿಕ್ಕರೆ ಮೋಸ ಮಾಡುತ್ತಾರೆ. ಆದರೆ ಅವಕಾಶ ಕೊಡುವುದು ನಾವೇ ತಾನೇ, ಹಿಂದೆ ಹೀಗಿರಲಿಲ್ಲ. ಪ್ರಾಮಾಣಿಕತೆ ಇತ್ತು. ಹೆಚ್ಚಿಗೆ ದುಡ್ಡು ಕೊಟ್ಟಿದ್ದರೆ ಹಿಂತಿರುಗಿಸುವ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕತೆ ಇತ್ತು. ಆದುದರಿಂದ ಗ್ರಾಹಕರು ಜಾಗರೂಕತೆಯಿಂದ ಇರಬೇಕು. ಇಲ್ಲದಿದ್ದರೆ ನನ್ನಂತೆ ಮೋಸ ಹೋಗಬೇಕಾದೀತು ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ ಲೇಖಕರು.

I. एक वाक्यों मे उत्तर लिखिए ।

1 **लेखक चीजें खरिदने कहां गये थे?**

उत्तर:-लेखक चीजें खरीदने बाजर(चौक) गये थे।

2 **लेखक को क्या नजर आया?**

उत्तर:- लेखक को गुलाबी रंगदार सेब नजर आया।

3 **लेखक का जी क्यों ललचा उठा?**

उत्तर:-लेखक का जी गुलाबी रंगदार सेब देखकर ललचा उठा।

4 **टोमाटो किसका अवश्यक अंग बन गया है?**

उत्तर:-टोमाटो भोजन(खाने) का अवश्यक अंग बन गया है।

5 **स्वाद में सेब किससे बडकर नहीं है?**

उत्तर:-स्वाद में सेब आम से बड कर नहीं है।

IV. विलोम

- शाम-सुबह
- खरिदना-बेचना
- बहुत-कम/थोडा
- अच्छा-बुरा
- गरीब-अमीर
- रात-दिन
- गम-खुशी
- पास-दूर
- हानी-लाभ
- साफ-गंदा
- ईमान-बेइमान
- शिक्षित-अशिक्षित
- विश्वास-अविश्वास
- सहयोग-असहयोग

6 **रोज एक सेब खाने से किनकी जरुरत नहीं होगी?**

उत्तर:-रोज एक सेब खाने से डाक्टर की जरुरत नहीं होगी।

II दो-तीन अंक के प्रश्न

1 **कश्मीरी सेब पाठ से आपको क्या सिख मिलति है?**

अथवा

प्रेमचंद जी ने खरिदारी के बारे में क्या चेतावनी दि है?

उत्तर:- बाजर में खरिदारी करते समय सावधानी से रहना चाहिए। नहीं तो दोखा खाने की संभावना रहती है।

2 **दुकानदार ने लेखक से क्या कहा?**

उत्तर:- दुकानदार ने कहा-"बाबुजी बडे मजेदार सेब आये है। खास कश्मीर के है। आप ले जाएं, खाकर तबियत खुश हो जायेगी।"

- आवश्यक-अनावश्यक
- संदेह-निसंदेह

➢ अन्य वचन रुप

- ✓ चीज-चीजें
- ✓ रास्ता-रास्ते
- ✓ दूकान-दूकाने
- ✓ आंख-आंखें
- ✓ रुपए-रुपएं
- ✓ फल-फल
- ✓ घर-घर
- ✓ कर्मचारी-कर्मचारी गण
- ✓ व्यापारी-व्यापारी गण
- ✓ रेवडी-रेवशियां

3 **सेब की हालत के बारे में लिखिए?**

उत्तर:- पहला सेब सडा हुआ था। दूसरा सेब आधा सडा हुआ था। तीसरा सेब एक तरफ से पिचक गया था। चौथे सेब में एक सुराख था। और धब्बा पड गया था। इस तरह एक सेब भी खाने लायक नहीं था।

III जोडकर लिखिए

		उत्तर:-
1) सेब को रुमाल में बांदकर	अ)प्राथ:काल है।	आ)मुझे दे दिया।
2) फल खाने का समय तो	आ)मुझे दे दिया।	अ)प्राथ:काल है।
3) एक सेब भी खाने	ई)बनी हुई थी।	इ)लायक नहीं।
4) व्यापारियों की साख	इ)लायक नहीं।	ई)बनी हुई थी।

IV विलोम शब्द लिखिए:

1. शाम x सुबह
2. खरीदना x बेचना
3. बहुत xथोडा
4. अच्छा x बुरा
5. शिक्षित xअशिक्षित
6. आवश्यक x अनावश्यक
7. गरीब x अमीर
8. रात x दिन

9. संदेह x निःसंदेह
10. साफ x गंदा
11. बेईमान x ईमान
12. विश्वास x अविश्वास
13. सहयोग x असहयोग
14. हानि X लाभ
15. पास x दूर
16. गम x खुशी

V. अनुरूपता:

1. केला : पीला रंग :: सेब : .... लाल रंग
2. सेब : फल :: गाजर : .... सब्जी सेब
3. नागपूर : संतरा :: कश्मीर : .... सेब
4. कपडा : नापना :: टोमाटो : .... तोलना

VI. अन्य वचन लिखिए:

1. चीजें – चीज
2. रास्ता – रास्ते
3. फल – फल
4. घर – घर
5. रुपए – रुपया

1. आँखें – आँख
2. कर्मचारी – कर्मचारीवर्ग
3. व्यापारी – व्यापारीवर्ग
4. रेवडी – रेवडियाँ
5. दुकान – दुकानें

➢ निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम से लिखिए :

1) गाजर गरीबों भी पहले के पेट की चीज भरने थी |

1. गाजर भी पहले गरीबों की पेट भरने की चीज थी |

2) अब चीज नहीं है वह केवल स्वाद की |

2. अब वह केवल स्वाद की चीज नहीं है|

3) नहीं लायक खाने भी सेब एक |

3. एक सेब भी खाने लायक नहीं |

4) मालूम हुई घर आकार अपनी भूल |

4.घर आकार अपनी भूल मालूम हुई |

➢ कन्नड अथवा अँग्रेजी में अनुवाद कीजिए |

१)एक सेब भी खाने लायक नहीं था।

ಒಂದು ಸೇಬು ಕೂಡಾ ತಿನ್ನಲೂ ಯೋಗ್ಯವಿರಲಿಲ್ಲ.

Not even an apple was fit for consumption.

२)दुकानदार ने मुझसे क्षमा मांगी।

ಅಂಗಡಿಯವ ನನ್ನಲ್ಲಿ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ.

Shopkeeper asked for my pardon.

३)गाजर भी पहले गरिबों के पेट भरने की चीज थी।

ಗಜ್ಜರಿಯೂ ಕೂಡಾ ಮೊದಲಿಗೆ ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತು ಆಗಿತ್ತು.

Earlier carrot was food of poor people.

४)दुकानदार ने कहा बडे मजेदार सेब आये है।

ಬಹಳ ಒಳ್ಳೆಯ ಸೇಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ ಎಂದು ಅಂಗಡಿಯವ ಹೇಳಿದನು.

Shopkeeper informed that good quality apples are available.

पाठ - 3 गिल्लू

- लेखिका : महादेवी वर्मा

- महादेवी वर्मा

इस पाठ से स्नेहभाव तथा प्राणी – दया की सीख मिलती है| पशु –पक्षियों के स्वाभाव और उनकी जीवन शैली के साथ – साथ उनके प्रति महादेवी वर्मा के प्रेम से बच्चा परिचित होते है|

लेखिका परिचय : महादेवी वर्मा

जन्म :	24 मार्च 1907
स्थल :	फरुकाबाद मे हुआ
उपाधी :	“आधुनिक मीरा”
शिक्षा :	प्रयाग विश्व विद्यालय से संस्कृत में एम ए उपाधि
क्रया क्षेत्र :	प्रयाग मे महिला विद्यापीठ मे प्रधानाद्यापिका पद संभाला|
रचनाएँ :	यामा, दीपशिखा, नीरज्ञ, निहार, अतीत के चलचित्र, स्मृति के रेखाएं, पथ के साथी, मेरा परिवार, शृंखला की कड़ियाँ.
पुरस्कार :	सेकसोरिया, मंगल परितोषक, द्विवेदी पदक, यामा कृति के लिए “ ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ	
मृत्यु :	सितंबर 1987

पाठ का आशय-

कौन कह सकते हैं कि पशु पक्षी भावहीन प्राणी है? वह भी कभी - खबार हमसे भी अधिक भावानुकूल विचारवान और सहृदय व्यवहार करते हैं। महादेवी वर्मा ने यह छोटा सा जीव, गिलहरी के बच्चों का रेखांकन कर प्राणी जगत की मानव-सहज जीवन शैली का प्रभावशाली चित्रण किया है। आज के संदर्भ में जहां मानव के स्वार्थ के कारण पशु -पक्षी

➢ शब्दार्थ

- अचानक – यकायक – ಒಮ್ಮೆಲೆ
- गमाला – ಕುಂಡಳಿ
- घाव - जख्म – ಗಾಯ
- हौले से – धीरे से ಸಾವಕಾಶವಾಗಿ
- काँच – शीशा- ಗಾಜು
- चुन्नाट – सिलावट - ನಿರಿಗೆ
- सोनजूही – एक खुशबूदार फूल - ಜಾಜಿ
- गिलहरी – ಅಳಿಲು
- अवतीर्ण – उत्पन्न होना, अवतरित होना, ಅವತರಿಸು
- काकद्वय – दो कौए - ಎರಡು ಕಾಗೆಗಳು
- चोंच – पक्षियों के मुख का आगरा भाग ಚೊಂಚು
- मरहम – औषधि का लेप – ಮುಲಾಮು
- जब्बेदार – गुच्छे - ಗೊಂಚಲು
- डालिया – चोटी टोकरी - ಸಣ್ಣ ಬುಟ್ಟಿ
- मनकें – मणि
- गात – शरीर, देह - ಶರೀರ
- कीलें - लिहे या काठ की खूंटी - ಕೀಲು
- बरामदा – घर बाहर के भाग

की जातियां लुप्त होती जा रही है, वहाँ महादेवी वर्मा जी का यह संस्मरण उनकी रक्षा करने और उनके प्रति प्रेमभाव जगाने की दिशा में एक सार्थक प्रयत्न सिद्ध होता है।

- सुराही –पनि का बर्तन – ಹೂಜಿ

टिप्पणी

काक भूशुण्डी : पुराण- कथा मे कौए को पक्षियों के गुरु के रूप मे स्वीकार किया गया है|

Squirrel Summary in English:

In the author’s house, there was a baby Squirrel. It was suffering from pain. The author felt sorry for its suffering and kept it in a safer place and treated it with medicine. The author called it with a name Gillu and Galu became alright within a year and became able to run all over the house and began loving the author with affection.

Once the author fell ill on account of a car accident and so she was admitted to ‘a hospital for few days. The baby Squirrel was always remembering her and in the absence

of the author, it did not eat anything. It was sleeping in a cool place in the house. After two years, one day it died away. Its body was burried in the author’s compound.

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. **लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है ?**

   उत्तर : लेखिका ने कौए को इसलिए विचित्र पक्षी कहा है कि यह पक्षी एक साथ समादरित, अनादरित, अति सम्मानित तथा अति अवमानित है।

2. **गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था ?**

   उत्तर : गिलहरी का बच्चा गमले और दीवार की संधि में पड़ा था।

3. **लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया ?**

   उत्तर : लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

4. **लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा ?**

उत्तर : लेखिका को मोटर दुर्घटना में आहत हो जाने के कारण से अस्पताल में रहना पड़ा।

5. **गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था ?**

उत्तर : गिलहरी का प्रिय खाद्य काजू था।

6. **वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थीं ?**

उत्तर : वर्मा जी गिलहरी को गिल्लू नाम से बुलाती थीं।

7. **गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था ?**

उत्तर : गिलहरी का लघु गात लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

8. **गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था ?**

उत्तर : गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

9. **गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है ?**

उत्तर : गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया दो वर्ष होती है।

गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है ?

उत्तर : गिलहरी की समाधि सोनजुही की लता के नीचे बनायी गयी है।

II . दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. **लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?**

उत्तर : लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता । उसका यह क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती ।

2. **महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह कहाँ-कहाँ छिप जाता था ?**

उत्तर : महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में, कभी परदे के चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

3. **लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी ?**

उत्तर : लेखिका को गिलहरी इस स्थिति में दिखायी पड़ी कि गमले और दीवार की संधि में एक छोटा सा गिलहरी का बच्चा निश्चेष्ट-सा गमले से चिपका पड़ा था। सम्भवत: वह घोंसले से गिर पड़ा था, जिसे दो कोए अपना आहार बनाना चाह रहे थे।

4. **लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये ?**

उत्तर : लेखिका ने गिलहरी को हौले से उठाकर कमरे में लाया, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया। कई घंटे के उपचार के बाद उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

5. **गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बिताये ?**

उत्तर : गिल्लू लेखिका की गैरहाजरी में उदासरहता था। अपना प्रिय खाद्य काजू कम खाता था। लेखिका के घर आने तक गिल्लू अकेलापन महसूस कर रहा था ।

III **चार-छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :**

1. **लेखिका ने गिलहरी को क्या-क्या सिखाया ?**

उत्तर : लेखिका ने गिल्लू को लिफाफे में बैठना सिखाया। जब लेखिका खाना खाने बैठती तब गिल्लू उनकी थाली में बैठ जाना चाहता था। बड़ी कठिनाई से लेखिका ने उसे थाली के पास बैठना तथा उसमें से एक-एक चावल उठाकर खाना सिखाया। इस प्रकार लेखिका ने गिलहरी को अपने प्रति सही व्यवहार करना सिखाया।

2. **गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर : गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अत: गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने न कुछ खाया, न बाहर गया। पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि मैने हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परंतु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

3. **गिल्लू के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए।**

उत्तर : महादेवी वर्मा जी का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता रहता था । लेखिका को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में, कभी परदे के चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था। जब बाहर की गिलहरियाँ उसे चिक-चिक करके बुलाती थी, तब लेखिका के द्वारा उसे मुक्त करने पर वह चार बजे तक गिलहरियों के

साथ खेलकर वापस लौटता था। उसका प्रिय खाद्य काजू न मिलने पर दूसरी खाने की चीजों को झूले के नीचे फेंक देता था।

4. **गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए ।**

   उत्तर : महादेवी वर्मा जी ने गिलहरी के बच्चे के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाकर उसका प्राण बचाया। रहने के लिए झूला लगाकर उसे गिल्लू नाम के साथ सम्मानित किया। गिल्लू को खाने के लिए काजू तथा बिस्कुट दिया, थाली में से एक-एक चावल उठाकर खाने को सिखाया। अन्य गिलहरियों के साथ उछल-कूद करने के लिए अवसर दिया। गिल्लू के अंतिम दिनों में उसे बचाने की पूरी कोशीश भी की और उसकी मृत्यु के बाद समाधि भी बनायी गयी। इस प्रकार महादेवी वर्मा जी ने गिल्लू के प्रति अपनी ममता को दर्शाया है।

IV. रिक्त स्थान भरिए :

1. यह **काक भुशुण्डि** भी विचित्र पक्षी है।
2. उसी बीच मुझे **मोटर-दुर्घटना** में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा।
3. गिल्लू के जीवन का प्रथम **वसंत** आया।
4. मेरे पास बहुत **पशु-पक्षी** हैं।
5. गिल्लू की **जीवन-यात्रा** का अंत आ ही गया।

V. अनूरुपता

1. कश्मीरी सेब : कहानी :: गिल्लु : ....।

   उत्तर :- रेखाचित्र
2. तूलसी के दोहे : तूलसीदास :: गिल्लू : .....।

   उत्तर :- महादेवी वर्मा
3. अब्दूल कलाम : जनवादी राष्ट्रपति :: महादेवी वर्मा : ......।

   उत्तर :- आधुनिक मीरा
4. अब्दुल कलाम : भारत रत्न :: महादेवी वर्मा : .....।

   उत्तर :- ज्ञानपीठ पुरस्कार
5. १९०७ : महादेवी वर्मा जी का जन्म :: १९८७ :....।

   उत्तर :- महादेवी वर्मा जी का निधन

6. गिल्लू की पूंछ : झब्बेदार :: गिल्लू की आंखे : .....।

उत्तर :-चमकीली

7. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ :....।

उत्तर :- कर्कश स्वर

8. बिल्ली : मियाऊं –मियाऊं :: गिल्लू : ....।

उत्तर :-चिक चिक

9. अभीनव मनुष्य:आधुनिक मनुष्य का वर्णन::गिल्लू:....।

उत्तर :- स्नेह भाव तथा प्राणी दया की सीख

10. गुलाभ : पौधा :: सोनजुही :...।

उत्तर :-लता

VI कन्नड में अनुवाद कीजिए :

1. कई घंटे के उपचार के उपरांत मुँह में एक बूँद पानी टपकाया।

ಹಲವು ಗಂಟೆಗಳ ಆರೈಕೆಯ ನಂತರ ಬಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರನ್ನು ಹಾಕಲಾಯಿತು.

2. इतने छोटे जीव को घर में पले कुत्ते-बिल्लियों से बचाना भी एक समस्या ही थी।

ಇಷ್ಟೊಂದು ಚಿಕ್ಕ ಜೀವಿಯನ್ನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಸಾಕಿದ ನಾಯಿ-ಬೆಕ್ಕುಗಳಿಂದ ಕಾಪಾಡುವುದು ಒಂದು ಸಮಸ್ಯೆ ಆಗಿತ್ತು.

3. दिन भर गिल्लू ने न कुछ खाया, न बाहर गया।

ದಿನವಿಡೀ ಗಿಲ್ಲು ಏನೂ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ ಹಾಗು ಹೊರಗೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

4. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था।

ಗಿಲ್ಲು ನನ್ನ ಬಳಿ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ನೀರಿನ ಹೂಜಿ ಮೇಲೆ ಮಲಗಿ ಬಿಡುತ್ತಿತ್ತು.

VIII. अन्यवचन शब्द लिखिए :	IX. विलोमार्थक शब्द लिखिए :	
1. उँगली – उँगलियाँ	निकट x दूर	विश्वास x अविश्वास
2. आँख - आँखे	1. दिन x रात	1. प्रिय x अप्रिय
3. पूँछ – पूँछें	2. भीतर x बाहर	2. संतोष x असंतोष
4. खिड़की – खिड़कियाँ	3. चढ़ना x उतरना	3. स्वस्थता x अस्वस्थता
5. फूल – फूल	उत्तीर्ण x अनुत्तीर्ण	ईमान x बेईमान
6. पंजा पंजे	1. उपयोगी x अनुपयोगी	1. होश x बेहोश
7. लिफाफा लिफाफे	2. उपस्थिति x अनुपस्थिति	2. खबर x बेखबर
8. कैआ कैए	3. उचित x अनुचित	3. रोज़गार x बेरोज़गार
9. गमला गमले		
10.घोंसला घोंसले		

X. प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :	XI. समानार्थक शब्दों को लिखिए :
1. चिपकना चिपकाना चिपकवाना	उपचार चिकित्सा इलाज
लिखना लिखाना लिखवाना	1. गात शरिर देह
मिलना मिलाना मिलवाना	2. आहार खाना भोजन
2. देखना दिखाना दिखवाना	3. विस्मय अचरज आश्चर्य
छेड़ना छिड़ाना छिड़वाना	4. हिम्मत साहस धैर्य
भेजना भिजाना भिजवाना	5. खोज तलाश ढूँढ
3. सोना सुलाना सुलवाना	
रोना रुलाना रुलवाना	
धोना धुलाना धुलवाना	
4. पीना पिलाना पिलवाना	
सीना सिलाना सिलवाना	

पाठ - 4 अभिनव मनुष्य

- लेखिका : रामधारी सिंह दिनकर

\- रामदारी सिंह दिनकर

इस कविता के द्वारा बच्चे स्नेह, मानवीयता,भाईचारा आदि का महत्व समझ सकते हैं |

शब्दार्थ:

- दुनिया - विश्व, प्रपंच - ಜಗತ್ತು,ವಿಶ್ವ
- सर्वत्र-हमेशा- ಯಾವಾಗಲು
- विजयी-जय,जीत-ಗೆಲುವು
- आसीन-बैठना-ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳು
- नर-मनुष्य,आदमी-ಮನುಷ್ಯ
- कर-हाथ,हस्त-ಕರ,ಕೈ
- वारी-जल,पानी-ನೀರು
- विध्यूत-ऊर्जा,शक्ति-ವಿದ್ಯುತ್
- भाप-भाष्प,उष्णता-ಬಿಸಿಲು,ಉಷ್ಣತೆ हुक्म-आदेश-ಆದೇಶ
- पवन-हवा,वायु-ಗಾಳಿ
- ताप-धुप,भाष्प-ಬಿಸಿಲು,ಬಾಷ್ಪ
- व्यवधान-रुकावट,बाधा-ಅಡೆ,ತಡೆ लांघना-पारकरना-ದಾಟುವುದು
- सरित-नदी-ನದಿ,ಹೊಳೆ
- गिरि-पहाड,पर्वत-ಬೆಟ್ಟ,ಗುಡ್ಡ
- सिधुं-सागर-ಸಮುದ್ರ
- यान-नौका-ನೌಕೆ
- परमाणु-कण, अणु के कण-ಪರಮಾಣು आलोक-प्रकाश-ಬೆಳಕು
- आगार-घर,संग्रहस्थान-ಮನೆ,ಭಂಡಾರ व्योम-गगन,आकाश-ಆಕಾಶ
- ज्ञेय-जानकारी-ಜ್ಞಾನ,ಅರಿವು
- श्रेय-श्रेष्टता,बडप्पन-ಶ್ರೇಷ್ಠತೆ,ದೊಡ್ಡತನ चैतन्य-समझ-ಅರಿವು,ತಿಳುವಳಿಕೆ
- उर-हृदय-ಹೃದಯ
- असीमीत-अपरिमित,संपूर्ण-ಸಿಮೆಇಲ್ಲದೆ व्यवधान-परदा,दूरी-ಅಡೆ,ತಡೆ

कविता का आशय :

इस पद्यभाग में वैज्ञानिक युग और आधुनिक मानव का विश्लेषण हुआ है। कवि दिनकर जी इस कविता द्वारा यह संदेश देना चाहते हैं कि आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है। परंतु कैसी विडंबना है कि उसने स्वयं को नहीं पहचाना, अपने भाईचारे को नहीं समझा। प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है, मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।

• कवि परिचाया:- रामदारी सिंह दिनकर

जन्म	23 सितम्बर 1908 सिमरिया घाट बेगूसराय जिला, बिहार, भारत
मृत्यु	24 अप्रैल 1974 (उम्र 65) मद्रास, तमिलनाडु, भारत
व्यवसाय	कवि, लेखक
अवधि/काल	आधुनिक काल
विधा	गद्य और पद्य
विषय	कविता, खंडकाव्य, निबंध, समीक्षा
साहित्यिक आन्दोलन	राष्ट्रवाद, प्रगतिवाद
उल्लेखनीय कार्यs	कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, हुंकार, संस्कृति के चार अध्याय, परशुराम की प्रतीक्षा, हाहाकार
उल्लेखनीय सम्मान	1959:साहित्य अकादमी पुरस्कार 1959: पद्म भूषण 1972: ज्ञानपीठ पुरस्कार

Summary in Kannada:

ಇಂದಿನ ಜಗತ್ತು ವಿಚಿತ್ರ ಹಾಗೂ ಹೊಸದಾಗಿದೆಪ್ರಕೃತಿಯಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲೆಡೆ ಪುರುಷನು ವಿಜಯಿಯಾಗಿ ಆಸೀನನಾಗಿದ್ದಾನೆ. ಮನುಷ್ಯನ ಕೈಯಲ್ಲಿ ನೀರು ಉಷ್ಣತೆ ವಿದ್ಯುತ್ ಬಂದಿತವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಆತನ ಆಜ್ಞೆಯಂತೆ ತಾಪಮಾನ ಹೆಚ್ಚು ಕಡಿಮೆಯಾಗುತ್ತಿರುತದೆ. ಎಲ್ಲಿಯೂ ಅಡ್ಡಿ-ಆತಂಕಗಳು ಉಳಿದಿಲ್ಲ. ಮನುಷ್ಯನು ನದಿ ಪರ್ವತ ಮತ್ತು ಸಮುದ್ರಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಸಮನಾಗಿ ದಾಟಬಲ್ಲನು.

ಈ ಮನುಷ್ಯ ಯಾರ ಪ್ರಯಾಣ ಗಗನದಲ್ಲಿ ಸಾಗುತ್ತಿದೆಯೋ ಹಾಗೂ ಯಾರ ಕೈಗಳನ್ನು ಕಂಡು ಪರಮಾಣು ನಡುಗುತ್ತಿದೆಯೋ

ಈ ಮನುಷ್ಯ ಮಾಡಿದ ಯಾರ ಸೃಷ್ಟಿಯ ಶೃಂಗಾರವು

ಜ್ಞಾನ-ವಿಜ್ಞಾನ ಪ್ರಕಾಶದ ಕಣಜ ಆಕಾಶದಿಂದ ಪಾತಾಳ ದವರೆಗೆ ಈತನಿಗೆ ತಿಳುವಳಿಕೆ ಇದೆ. ಆದರೆ ಇದು ಮನುಷ್ಯನ ಪರಿಚಯವಲ್ಲ ಇದು ಆತನ ಕೀರ್ತಿಯು ಅಲ್ಲ.

ಬುದ್ಧಿಯ ಮೇಲೆ ಚೈತನ್ಯ ಹೃದಯದ ಗೆಲುವೇ ಆತನ ಕೀರ್ತಿ

ಒಬ್ಬ ಮನುಷ್ಯನಿಂದ ಇನ್ನೊಬ್ಬನ ನಡುವೆ ಇರುವ ಪರದೆಯನ್ನು ಯಾರು ಸರಿಸುತ್ತಾರರೋ, ಆತನೇ ಪಂಡಿತ ಹಾಗೂ ಮಾನವನೂ ಸಹ ಅವನೇ.

ಕವಿಯ ಪ್ರಕಾರ ಮನುಷ್ಯನು ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ವಿಜಯಿಯಾಗಿದ್ದಾನೆ

ಆದರೆ ಆತ ತನ್ನನ್ನು ತಾನೇ ತಿಳಿದಿಲ್ಲ ತನ್ನ ಸಹೋದರತ್ವವನ್ನು ತಿಳಿದಿಲ್ಲ
ಪ್ರಕೃತಿಯ ಮೇಲೆ ವಿಜಯ ಸಾಧಿಸುವುದು ಮನುಷ್ಯನ ಸಾಧನೆಯಾಗಿದೆ
ಆದರೆ ಮನುಷ್ಯ ಮನುಷ್ಯನ ಮೇಲೆ ಸ್ನೇಹದ ಆಣೆಕಟ್ಟು ಕಟ್ಟುವುದು ಮಾನವನ ಸಿದ್ಧಿಯಾಗಿದೆ
ಮನುಷ್ಯ ಮನುಷ್ಯರೊಂದಿಗೆ ಪ್ರೇಮದ ಸಂಬಂಧ ಹೆಣೆದು ಪರಸ್ಪರ ದ್ವೇಷವನ್ನು ಅಳಿಸಿದವನೆ
ಮಾನವನಾಗಲು ಸಾಧ್ಯ.

I एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. **आज की दुनिया कैसी है ?**

   उत्तर :- आज की दिनिया विचित्र और नवीन है ।

2. **मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है ?**

   उत्तर :- मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता और उतरता है ।

3. **परमाणु किसे देखकर काँपते हैं ?**

   उत्तर :- परमाणु मनुष्य के करों को देखकर काँपते हैं ।

4. **'अभिनव मनुष' कविता के कवि का नाम लिखिए ।**

   उत्तर :- 'अभिनव मनुष' कविता के कवि का नाम है रामधारीसिंह दिनकर ।

5. **आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है ?**

   उत्तर :- आधुनिक पुरुष ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय पायी है ।

6. **नर किन-किन को एक समान लाँघ सकता है ?**

   उत्तर :- नर नदी, पहाड तथा समुद्र को एक समान लाँघ सकता है ।

7. **आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है ?**

   उत्तर :- आज मनुज का यान गगन में जा रहा है ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' – इस पंक्ति का आशय समझाइए ।

   उत्तर :- इस पंक्ति का आशय है कि आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर (आकाश, पाताल, धरती) विजय प्राप्त कर ली है। अर्थात प्रकृति को अपने नियंत्रण में रखा है ।

2. **दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है ?**

   उत्तर :- दिनकर जी के अनुसार जो मानव आपस में भाई-चारा बढ़ाये तथा दूसरे मानव

से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए वही सच्चा ज्ञानी, विदवान एवं मानव कहलाने का अधिकारी है ।

3. अभिनव मनुष्य कविता का दूसरा शीर्षक हो सकता है ? क्यों ?

उत्तर :- इस कविता का दूसरा शीर्षक हो सकता है – 'प्रकृति पुरुष'। क्यों कि मनुष्य ने लगभग प्रकृति के हर तत्व पर अपने प्रयासों से विजय प्राप्त कर ली है ।

III . भावार्थ लिखिए :

भावार्थ :

कवि रामधारीसिंह दिनकर कहते हैं कि यह मनुष्य सृष्टि का श्रृंगार, ज्ञान और विज्ञान तथा आलोक का आगार है । आकाश से पाताल तक की सब-कुछ जानकारी इसे है । परंतु यह उसका सही परिचय नहीं है और न ही उसका श्रेय है ।

IV . तुकांत शब्दों के लिए उदाहरण :

1. भाप – ताप
2. व्यवधान - अवसान
3. श्रृंगार – आगार
4. ज्ञय - श्रेय
5. जीत – प्रीत

V अनुरुपता .

1. गिल्लू : प्राणिदया की सीख :: अभिनव मनुष्य : ...।

   - आधुनिक मानव का विश्लेषण

2. मेरा बचपन : अब्दूल कलाम :: अभिनव मनुष्य : .....।

   - रामधारिसिंह दिनकर

3. सर् एम् विश्वेश्वरय्या : भारत रत्न पुरस्कार :: रामधारिसिंह दिनकर : ....।

   : ज्ञान पीठ पुरस्कार

4. नर : आदमि :: उर : ....।

   - हृदय

VI विलोम शब्द

- आज - कल
- आधुनिक - प्राचिन
- पुरुष - स्त्री
- नर - नारी
- चढना - उतरना
- समान - असमान
- ज्ञान - अज्ञान
- सिमित - असिमित
- जीत - हार
- तोड - जोड

VIII अनेक शब्द के लिए एक शब्द

- सभी जगहो, में सर्वत्र
- आसन पर बैठा हुआ- आसीन
- बचा हुआ-शेष
- मनु की संतान-मनुष्य
- विशेष ज्ञान-विज्ञान
- अधिक विध्या प्राप्त-विद्वान

दसवीं कक्षा

कोशिश

एक कदम आगे...

अध्ययन सामग्री

ಸಂಪಾದಕರು:

ಡಾ. ಎನ್ ದೇವರಾಜ್
ಎಮ್.ಎ, ಎಮ್.ಎಡ್, ಪಿಎಚ್.ಡಿ, ಎಮ್.ಬಿ.ಎ
ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು
ಮೊರಾರ್ಜಿ ದೇಸಾಯಿ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಸಾಮಾನ್ಯ)
ಚಾಮರಾಜಪೇಟೆ ಬೆಂಗಳೂರು -18 560 026
ಮೊ. ನಂಬರ : 9449214660

ಶ್ರೀ ಬಸವರಾಜ ಭೂತಿ
ಎಮ್. ಎ, ಬಿ.ಎಡ್
ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು
ಕಿತ್ತೂರು ರಾಣಿ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಪ.ಪಂ) ಬೇವಿನಹಳ್ಳಿ
ಕ್ರಾಸ್, ಶಹಾಪುರ. ಜಿಲ್ಲಾ ಯಾದಗಿರ. 585 223
ಮೊ. ನಂಬರ : 9900804567

ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ ಈ ಬ್ಲಾಗಿಗೆ ಭೇಟಿ ನೀಡಿ
bhootibasu.blogspot.com

पाठ – 5 मेरा बचपन

- लेखक :- ड़ा. ए पी जे अब्दुल कलाम

इस पाठ के द्वारा छात्र सादगी , धार्मिक सहिष्णुता, मिल जुलकर रहना और किताबें पढ़ने का प्रयोजन आदि की प्रेरणा पा सकते है|

लेखक परिचय :- ड़ा. ए पी जे अब्दुल कलाम

अउल फकीर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम जी का जन्म 15-10-1931 को हुआ। बड़े वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी 25-07-2002 से 24-07-2007 तक हमारे देश के राष्ट्रपति थे। देश के आदर्श तथा 'जनवादी राष्ट्रपति' के नाम से भारत के करोड़-करोड़ हृदयों में प्रतिष्ठित कलाम जी अपनी 82 वर्षों की उम्र में भी अनेकानेक सामाजिक प्रगतिशील आंदोलनों में अत्यंत सक्रिय रहे। बच्चों तथा युवकों के चैतन्यशील एवं बहुमुखी व्यक्तित्व के निर्माणार्थ आपके नये अभियान का मंत्र था – 'मैं क्या दूँ?' स्वपरिवर्तन की ओर उन्मुख इस अभियान का उद्घोष था – ईमानदार कार्य एवं ईमानदार का नाम। 'होमपाल' अभियान द्वारा आप बचपन में ही इन सवालों को बोना चाहते थे कि "मैं देश के लिए क्या दे सकता हूँ? समाज एवं परिसर के लिए क्या कर सकता हूँ?"

➢ पाठ का आशय :

भारत के राष्ट्रपति कलाम जी का जीवन सादगी का मिसाल था। उनके माता-पिता का परिश्रम, आडंबरहीन जीवन सबके लिए आदर्शप्राय है।

➢ कठीण शब्दार्थ

- कस्बा-छोटा शहर-ಚಿಕ್ಕಪಟ್ಟಣ
- औपचारिक-सादारन शिक्षा-ಸಾಧಾರಣ ಶಿಕ್ಷಣ
- जीवनसंगीनी-पत्नी-ಜೀವನ ಸಂಗಾತಿ
- कद-काठि-देह का गठन-ದೇಹದ ರಚನೆ
- पुश्तैनी-जो पिडियों से चला आरहा हो-ವಂಶಪಾರಂಪರ
- पक्का-रेहने लायक-ಇರಲು ಯೋಗ್ಯ
- आडंबरहीन- आराम से दूरहना-ಆಡಂಬರಹೀನ
- समुचित-योग्य-ಯೋಗ್ಯ,ಸರಿಯಾಗಿ
- सादगी-सादापन-ಸರಳತೆ
- इलाका-मोहल्ला-ಓಣಿ,ಬೀದಿ
- अभिन्न-अछ्छे मित्र-ಒಳ್ಳೆಯ ಮಿತ್ರ
- इतर ब्रह्मांड-दुसरे लोक का हिस्सा-ಬ್ರಹ್ಮಾಂಡ
- प्रौध्योगी-शंशोधन-ಸಂಶೋಧನ
- भरसक-पुरा,यथाशक्ति-ಪೂರ್ಣ
- ठेकेदार-कामकरानेवाला-ಗುತ್ತಿಗೆದಾರ
- तट-किनारा-ದಡ,ತೀರ
- तूफान-तेज हवा बहना-ಬಿರುಗಾಳಿ
- हतप्रभ-शिथिल,निश्तेज-ಶಾಂತ,ವಿಸ್ಮಿತ
- दुर्लभ-आसान से न मिलना-ಕೈಗೆ ಸಿಗಲಾರದ
- चचेरा-बडाभाई-ಒಡಹುಟ್ಟಿದ

कोशिश एक कदम आगे..

उनका परिवार अतिथियों की सेवा से संतृप्त था। उनका परिवार धार्मिक एकता को मानता था। बच्चों के चैतन्यशील, बहुमुखी व्यक्तित्व के निर्माण के लिए ऐसे आदर्श व्यक्तियों की जीवनी प्रेरणाप्रद है।

- जुमला-कूल-ಒಟ್ಟು
- विरासत-उत्तराधिकार में मिली संपत्ती-ವಂಶಪಾರಂಪರವಾಗಿ ದೊರೆತ ಸಂಪತ್ತು

➢ 'ಮೇರಾ ಬಚಪನ್-

'ಮೇರಾ ಬಚಪನ್ (ನನ್ನ ಬಾಲ್ಯ)' ಎಂಬ ಪಾಠವು ಅಬ್ದುಲ್ ಕಲಾಮ್ ಅವರ ಆತ್ಮಚರಿತ್ರೆಯಾಗಿದೆ, ಅಬ್ದುಲ್ ಕಲಾಮ್ ಅವರ ಜನ್ಮವು ತಮಿಳುನಾಡಿನ ರಾಮೇಶ್ವರಮ್‌ನಲ್ಲಿನ ಒಂದು ಮಧ್ಯಮವರ್ಗದ ಪರಿವಾರದಲ್ಲಿ ಆಯಿತು. ತಂದೆ ಜೈನುಲಾಬೀನ್ ತುಂಬಾ ಉದಾರ ಮನಸ್ಸಿನ ವ್ಯಕ್ತಿಯಾಗಿದ್ದರು. ತಾಯಿ ಆಶಿಯಮ್ಮಾ ತಂದೆಗೆ ತಕ್ಕಂತಹ ಜೀವನಸಂಗಾತಿಯಾಗಿದ್ದರು. ಕಲಾಮ್ ಅವರ ತಂದೆ-ತಾಯಿಯರಿಗೆ ಸಮಾಜದಲ್ಲಿ ಆದರ್ಶ ದಂಪತಿಗಳೆಂಬ ಕೀರ್ತಿ ಪ್ರಾಪ್ತವಾಗಿದ್ದಿತು.

ಕಲಾಮ್ ಅವರ ಜೀವನ ಬಹಳ ಸರಳತೆಯಿಂದ ಕೂಡಿದ್ದಿತು. ಅವರು ತಾಯಿಯೊಡನೆ ಅಡುಗೆಮನೆಯಲ್ಲಿಯೇ ನೆಲದ ಮೇಲೆ ಕುಳಿತು ಊಟ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ತಾಯಿಯು ಬಹಳ ಪ್ರೀತಿಯಿಂದ ಬಾಳೆ ಎಲೆಯ ಮೇಲೆ ಅನ್ನ ಮತ್ತು ಸ್ವಾದಿಷ್ಟವಾದ ಸಾಂಬಾರ್ ಬಡಿಸುತ್ತಿದ್ದಳು. ಊಟದಲ್ಲಿ ಇದರೊಂದಿಗೆ ಮನೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಮಾಡಿದ ಉಪ್ಪಿನಕಾಯಿ, ತೆಂಗಿಕಾಯಿಯ ಚಟ್ನಿಯೂ ಇರುತ್ತಿತ್ತು.

ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಯಾತ್ರಾಸ್ಥಳ ರಾಮೇಶ್ವರ ತೀರ್ಥಕ್ಷೇತ್ರವು ಇವರ ಮನೆಯಿಂದ ಕೇವಲ ಹತ್ತು ನಿಮಿಷದ ದೂರದಲ್ಲಿದ್ದಿತು. ಅಲ್ಲಿ ಹಿಂದೂ ಮತ್ತು ಮುಸ್ಲಿಮ್ ಪರಿವಾರಗಳೆರಡೂ ಕೂಡಿ ಬಾಳುತ್ತಿದ್ದವು.

ರಾಮೇಶ್ವರದ ಅತ್ಯಂತ ಹಿರಿಯ ಅರ್ಚಕರಾದ ಪಕ್ಷಿ ಲಕ್ಷಣಶಾಸ್ತ್ರಿಯವರು ಕಲಾಮ್ ಅವರ ತಂದೆಯವರ ಮಿತ್ರರಾಗಿದ್ದರು. ತಂದೆಯವರು ಅವರೊಂದಿಗೆ ಆಧ್ಯಾತ್ಮದ ವಿಷಯವಾಗಿ ಚರ್ಚಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ನಮಾಜಿನ ಪ್ರಾಸಂಗಿಕತೆಯ ಬಗೆಗೆ ತಂದೆಯವರು ಕಲಾಮ್ ಅವರಿಗೆ ವಿವರಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಬೆಳಗಿನ ನಾಲ್ಕು ಗಂಟೆಯ ನಮಾಜಿನ ಮೂಲಕ ತಂದೆಯವರ ದಿನಚರಿ ಪ್ರಾರಂಭವಾಗುತ್ತಿದ್ದಿತು, ನಮಾಜಿನ ನಂತರ ಅವರು ತೆಂಗಿನ ತೋಟದೆಡೆಗೆ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದರು. ತೆಂಗಿನ ತೋಟವು ಮನೆಯಿಂದ ನಾಲ್ಕು ಮೈಲಿ ದೂರದಲ್ಲಿದ್ದಿತು. ತೋಟದಿಂದ ಸುಮಾರು ಒಂದು ಡಜನ್ ತೆಂಗಿನಕಾಯಿಗಳನ್ನು ಭುಜದ ಮೇಲೆ ಹೊತ್ತು ತರುತ್ತಿದ್ದರು. ನಂತರವೇ ಅವರ ಬೆಳಗಿನ ಉಪಾಹಾರವಾಗುತ್ತಿತ್ತು.

ಕಲಾಮ್ ಅವರು ಜೀವನದುದ್ದಕ್ಕೂ ತಮ್ಮ ತಂದೆಯಿಂದ ವಿಜ್ಞಾನ ಮತ್ತು ಪ್ರೌದ್ಯೋಗಿಕ ತಳಹದಿಯ ಸತ್ಯವನ್ನು ಅರಿತುಕೊಳ್ಳಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದರು. ನಮ್ಮೆಲ್ಲರನ್ನೂ ಮೀರಿದ ಒಂದು ದೈವೀಶಕ್ತಿ ನಿಜವಾಗಿಯೂ ಇದೆ ಮತ್ತು ಆ ಶಕ್ತಿಯು ನಮ್ಮ ಭ್ರಮೆ, ದುಖ, ನಿರಾಶೆ ಮತ್ತು ಅಸಫಲತೆಗಳನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಿ ಒಳ್ಳೆಯ ದಾರಿಯನ್ನು ತೋರಿಸುತ್ತದೆಂದು ಅವರು ಯಾವಾಗಲೂ ನಂಬಿದ್ದರು.

ಕಲಾಮ್ ಅವರು ಆರು ವರ್ಷದವರಿದ್ದಾಗ, ಅಲ್ಲಿಯ ಠೇಕೇದಾರ ಅಹಮದ್ ಜಲಾಲುದ್ದೀನ್ ನೊಂದಿಗೆ ಸೇರಿ ಕಟ್ಟಿಗೆಯ ನಾವೆಗಳನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವ ಕೆಲಸವನ್ನು ತಂದೆಯರು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಈ ನಾವೆಗಳು ಯಾತ್ರಾರ್ಥಿಗಳನ್ನು ರಾಮೇಶ್ವರಮ್‌ನಿಂದ ಧನುಷ್ಕಟಿಯವರೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗುವ ಮತ್ತು ವಾಪಸ್ಸು ಕರೆತರುವ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದವು. ಕಲಾಮ್ ಅವರ ಸೋದರಿ ಜೋಹರಾಳ ವಿವಾಹವು ಜಲಾಲುದ್ದೀನ್ ನೊಂದಿಗೆ ಆಯಿತು. ಒಂದು ದಿನ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಗಂಟೆಗೆ ನೂರು ಮೈಲಿ ವೇಗದಲ್ಲಿ ಅಪ್ಪಳಿಸಿದ ಬಿರುಗಾಳಿಗೆ ಅವರ ನಾವೆಗಳು ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಕೊಚ್ಚಿಹೋದವು. ಪಾಂಬರನ್ ಸೇತುವೆ ಮುರಿದು ಹೋಯಿತು. ಯಾತ್ರಾರ್ಥಿಗಳಿಂದ ತುಂಬಿದ್ದ ಟ್ರೈನ್ ದುರ್ಘಟನೆಗೆ ಈಡಾಯಿತು. ಆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಅಪಾರ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಏಳುತ್ತಿದ್ದ ಅಲೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿ ನಾನು ದಂಗಾಗಿ ಹೋಗಿದ್ದೆ. ಅಹಮದ್ ಜಲಾಲುದ್ದೀನ್ ನನಗಿಂತಲೂ ಹದಿನೈದು ವರ್ಷ ದೊಡ್ಡವನಾದರೂ ನನ್ನ ಅಂತರಂಗದ ಮಿತ್ರನಾಗಿಬಿಟ್ಟಿದ್ದ. ಅವನು ನನ್ನನ್ನು 'ಆಜಾದ್' ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಿದ್ದ. ಇಡೀ ಪ್ರಾಂತದಲ್ಲಿ ಕೇವಲ ಜಲಾಲುದ್ದೀನ್ ಒಬ್ಬನೇ ಇಂಗ್ಲಿಷ್

ಓದಲು ಬರೆಯಲು ಬಲ್ಲವನಾಗಿದ್ದ. ಕಲಾಮ್ ರವರಿಗೆ ಜಲಾಲುದ್ದೀನ್ ಯಾವಾಗಲೂ ಸಿಶಿಕ್ಷಿತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳ ಬಗ್ಗೆ, ವೈಜ್ಞಾನಿಕ ಆವಿಷ್ಕಾರಗಳ ಬಗ್ಗೆ, ಸಾಹಿತ್ಯ ಮತ್ತು ಚಿಕಿತ್ಸಾ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಬಗ್ಗೆ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸುತ್ತಿದ್ದನು. ಕಲಾಮ್ ಅವರ ಬಾಲ್ಯದಲ್ಲಿ ಪುಸ್ತಕಗಳು ಸಿಗುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ. ರಾಷ್ಟ್ರವಾದಿ ಎಸ್.ಟಿ.ಆರ್ ಮಾಣಿಕ್ಯಮ್ ರವರ ಪುಸ್ತಕಾಲಯವು ಅಲ್ಲಿದ್ದಿತು. ಅವರು ಯಾವಾಗಲೂ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಓದಲು ಕಲಾಮ್‌ರನ್ನು ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಿಸುತ್ತಿದ್ದರು.

ಕಲಾಮ್ ಅವರ ಬಾಲ್ಯದಲ್ಲಿ ಗಾಢ ಪ್ರಭಾವ ಬೀರಿದ ಮತ್ತೋರ್ವ ವ್ಯಕ್ತಿ ಅವರ ಸೋದರಸಂಬಂಧಿ ಶಂಶುದ್ದೀನ್, ಅವರು ರಾಮೇಶ್ವರಂನಲ್ಲಿನ ಏಕಮಾತ್ರ ಪತ್ರಿಕಾ ವಿತರಕರಾಗಿದ್ದರು. ಕಲಾಮ್ ರವರ ಮೂವರೂ ಬಾಲ್ಯಸ್ನೇಹಿತರು ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಾಗಿದ್ದರು. ಈ ನಾಲ್ವರಲ್ಲಿ ಯಾವುದೇ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿಯೂ ಯಾವುದೇ ವಿಷಯಗಳಿಗೂ ಭಿನ್ನಾಭಿಪ್ರಾಯ ಬರಲೇ ಇಲ್ಲ.

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. **अब्दुल कलामजी का जन्म कहाँ हुआ?**

   उत्तर:अब्दुल कलामजी का जन्म मद्रास राज्य के रामेश्वरम् कस्बे में हुआ।

2. **अब्दुल कलामजी बचपन में किस घर में रहते थे?**

   उत्तर: अब्दुल कलामजी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

3. **अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी?**

   उत्तर: अब्दुल कलामजी के बचपन में पुस्तकें दुर्लभ वस्तु थी।

4. **जैनुलाबदीन ने कौनसा काम शुरु किया?**

   उत्तर: जैनुलाबदीन ने लकडी की नौकाएँ बनाने का काम शुरु किया।

5. **अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई कौन थे?**

   उत्तर: अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई शमसुद्दीन थे।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. **अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए।**

   उत्तर: अब्दुल कलाम के घर आडंबर के लिए कोई स्थान नहीं था। अनावश्यक या ऐशो आराम वाली चीजों से वे दूर रहते थे। घर में आवश्यक चीजें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थी।

2. **आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में क्या क्या देती थी?**

   उत्तर: आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में चावल एवं स्वादिष्ट सांबार देतीं । साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताजी चटनी भी देती थी।

3. **जैनुलाबदीन नमाज के बारे में क्या कहते थे?**

   उत्तर: एक बार अब्दुल कलाम नें अपने पिताजी जैनुलाबदीन से नमाज की

प्रासंगिकता के बारे में पूछा। तब उन्होंने कहा कि जब तुम नमाज़ पड़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो; जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं रहता।

4.जैनुलाबदीन ने कौनसा काम शुरु किया?

उत्तर: जैनुलाबदीन ने लकड़ी की नौकाएँ बनाने का काम शुरू किया। एक स्थानीय ठेकेदार के साथ समुद्र तट के पास वे नौकाएँ बनाने लगे। ये नौकाएँ तीर्थयात्रियों को रामेश्वरम् से धनुषकोडी तक लाने-ले जाने के काम आती थीं।

III. चार या पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. शमसुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे?

उत्तर: शमसुद्दीन रामेश्वरम् में अखबारों के एकमात्र वितरक थे। अखबार रामेश्वरम् स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे। इस अखबार एजेंसी को अकेले शमसुद्दीन ही चलाते थे। रामेश्वरम् में अखबारों की जुमला एक हजार प्रतियाँ बिकती थी।

IV. इन महावरों पर ध्यान दीजिए :

पौ फटना = प्रभात होना

काम आना = काम में आना, इस्तेमाल होना

V. अन्य वचन रूप लिखिए:

बच्चा, गली, केला, नौकां, प्रतियाँ, पुस्तकें

उत्तर:

बच्चा – बच्चे

गली – गलियाँ

केला – केले

नौका – नौकाएँ

प्रतियाँ – प्रति

पुस्तकें – पुस्तक

VI. विलोम शब्द लिखिए:

बहुत, शाम, सफल, अच्छा, बडा, अपना

उत्तर:

बहुत × कम

शाम × सुबह

सफल × असफल

अच्छा × बुरा

बडा × छोटा

अपना × पराय

VII. जोडकर लिखिए:

अ

आ

एक कदम आगे.. कोशिश

1. मेरे पिता
2. मद्रास राज्य
3. शमसुद्दीन
4. अहमद जलालुद्दीन
5. पक्का दोस्त

अ. चचेरे भाई
आ. अंतरंग मित्र
इ. रामानंद शास्त्री
ई. जैनुलाबदीन
उ. तमिलनाडु
ऊ. रामेश्वरम्

उत्तर – 1. मेरे पिता ई. जैनुलाबदीन 2. मद्रास राज्य उ. तमिलनाडु
3. शमसुद्दीन अ. चचेरे भाई 4. अहमद जलालुद्दीन आ. अंतरंग मित्र
5. पक्का दोस्त इ. रामानंद शास्त्री

VIII. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

2. आशियम्मा उनकी आदर्श जीवनसंगिनी थीं।
3. रामेश्वरम् प्रसिद्ध तीर्थस्थल है।
4. पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री मेरे पिताजी के अभिन्न मित्र थे।
5. अखबार एजेंसी को अकेले शमसुद्दीन ही चलते थे।
6. अहमद जलालुद्दीन की जोहरा के साथ शादी हो गई।

IX. अनुरूपता :

1. गाँधीजी: राष्ट्रपिता :: अब्दुल कलाम:..............

   उत्तर: राष्ट्रपति
2. जलालुद्दीन : जीजा :: शमसुद्दीन : ....

   उत्तर: चचरे भाई ।
3. ट्रेन : भू-यात्रा :: नौका : ....

   उत्तर: जल-यात्रा
4. हिन्दू : मन्दिर :: इस्लाम :................
5. उत्तर: मस्जिद्

X पर्यायवाची शब्द लिखिए:

घर, बुनियाद, शाम, शरीर, दोस्त

उत्तर: घर – गृह, मकान बुनियाद – नींव शाम – सायंकाल
शरीर – काया, तनु दोस्त – मित्र, सखा

कोशिश एक कदम आगे..

पाठ – 6 बसंत की सच्चाई

- लेखक :- विष्णु प्रभाकर

पाठ का आशय :

विष्णु प्रभाकर मानव-मन के पारखी लेखक हैं। इस एकांकी में उन्होंने स्वाभिमान, परदुःखकातरता जैसी मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण किया है। गरीब होकर भी स्वाभिमानी और परिश्रम की कमाई से जीनेवाले बसंत और प्रताप एक ओर हैं तो दूसरी ओर कंगालों के प्रति हमदर्दी दिखाते हुए आदर के साथ व्यवहार करनेवाले राजकिशोर जैसे पात्र अनुसरणीय हैं।

कठीण शब्दार्थ

- राह - रास्ता मार्ग, ದಾರಿ;
- दियासलाई - matchstick ಬೆಂಕಿಕಡ್ಡಿ;
- छलनी - जालीदार चोटा पोकरण, ಸಾಣಿಗೆ;
- एक आना - छ: पैसे,
- रुआ सा - रोने जैसे, ಅಳು ಧ್ವನಿ;
- अहीर - ग्वाला,
- ओठ-भींचना - दर्द सहन करना ದುಃಖ ಸಹಿಸು;
- मजदूर – ಕೆಲಸಗಾರ
- झांककर – ಇಣುಕಿ
- फेरीवाले - घूम फिरकर सामान बेचनेवाले व्यापारी, ತಿರುಗಾಡಿ ವ್ಯಾಪಾರ ಮಾಡುವವರು;
- भूना लाना - बड़े सिक्के को चिल्लर छुट्टे के रूप में बदलना, ಚಿಲ್ಲರೆ ತರುವುದು;
- ओसरा - बरामदा, घर के आगे का भाग, ಅಂಗಳ;
- शक्ल - स्वरूप, आकृति, ಮುಖ; व्यग्रता - व्याकुल, उद्विग्न, बेचैन।
- पालक – क्षण
- भीख – ಭಿಕ್ಷೆ

ಸಾರಾಂಶ:

ಪ್ರಸ್ತುತ ಭಾಗವನ್ನು ನಿಮ್ಮ ಪ್ರಭಾಕರ್‌ರವರು ಬರೆದಿರುವ 'ಬಸಂತ್ ಕೀ ಸಚ್ಚಾಯಿ' ಎಂಬ ನಾಟಕದಿಂದ ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳ ಲಾಗಿದೆ. ಮಾರುಕಟ್ಟೆಯ ದೃಶ್ಯದೊಂದಿಗೆ ನಾಟಕ ಆರಂಭವಾಗುತ್ತದೆ. ಬೀದಿ ಮಾರಾಟಗಾರರು ತಮ್ಮ ವಸ್ತುಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಕೂಗಿ ಕರೆಯುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿದ್ದ ಸುಮಾರು 12 ವರ್ಷಗಳ ಬಸಂತ್ ಎಂಬ ಪುಟ್ಟ ಹುಡುಗನೊಬ್ಬ ಜರಡಿ, ಗುಂಡಿ ಮುಂತಾದ ಚಿಕ್ಕಪುಟ್ಟ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಮಾಡುವ ಸಲುವಾಗಿ ಅತ್ತಿತ್ತ ಚುರುಕಾಗಿ ಓಡಾಡುತಿದ್ದ.

ಆದರೆ ಆತನ ಕೂಗಿಗೆ ಯಾರೂ ಓಗೋಡುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ, ಅಲ್ಲಿದ್ದವರಾರಿಗೂ ಅವನು ವಸ್ತುಗಳಲ್ಲಿ ಆಸಕ್ತಿ ಇರಲಿಲ್ಲ. ಆ ವೇಳೆಗೆ ಒಬ್ಬ ಗಣ್ಯ ವ್ಯಕ್ತಿಯ ಆಗಮನವಾಗುತ್ತದೆ. ಮುಖಂಡನಾದ ರಾಜ್‌ಕಿಶೋರ್, ಆತ ಕಾರ್ಮಿಕರ ಸಂಘದ ಮುಖಂಡನಾದ ರಾಜಕಿಶೋರ್‌ನನ್ನು ಬಸಂತ್ ಹಿಂಬಾಲಿಸಲು ಆರಂಭಿಸುತ್ತಾನೆ. ತನ್ನ ಬಳಿಯ ಯಾವುದಾದರೂ ವಸ್ತುವನ್ನು ಖರೀದಿಸುವಂತ ಬಸಂತ್ ರಾಜಕಿಶೋರನಿಗೆ ದುಂಬಾಲು ಬೀಳುತ್ತಾನೆ.

ಮೊದಲಿಗೆ ರಾಜಕಿಶೋರ್ ಒಪ್ಪುವುದಿಲ್ಲವಾದರೂ ನಂತರ ಬಸಂತ್‌ನ ಸ್ಥಿತಿಯನ್ನು ನೋಡಿ ಕನಿಕರಗೊಂಡು ಯಾವ ವಸ್ತು ವನ್ನೂ ಕೊಳ್ಳದೆ ಉಚಿತವಾಗಿ ಕೆಲವು ನಾಣ್ಯಗಳನ್ನು ಅವನಿಗೆ ನೀಡಲು ಯತ್ನಿಸುತ್ತಾನೆ. ರಾಜಕಿಶೋರ್‌ನ ಈ ನಡವಳಿಕೆ ಬಸಂತ್‌ನ ಮನಸ್ಸಿಗೆ ನೋವುಂಟುಮಾಡುತ್ತದೆ. “ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ಸ್ವೀಕರಿಸುವುದಿಲ್ಲ. ನೀವು ಈ ಜರಡಿಯನ್ನಾದರೂ ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳಿ' ಎಂದು ಅವನು ರಾಜಕಿಶೋರ್‌ನಿಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ಬಸಂತ್‌ನ ಸ್ವಾಭಿಮಾನವನ್ನು ಕಂಡು ಸಂತೋಷಗೊಂಡ ರಾಜಕಿಶೋರ್ ಜರಡಿಯನ್ನು ಕೊಳ್ಳಲು ನಿರ್ಧರಿಸುತ್ತಾನೆ. ಆದರೆ ಚಿಲ್ಲರೆ ಇಲ್ಲದಿದ್ದರಿಂದ ದೊಡ್ಡ ಮೊತ್ತದ ನೋಟೊಂದನ್ನು ನೀಡುತ್ತಾನೆ. ಚಿಲ್ಲರಯನ್ನು

ತಂದುಕೊಡುವುದಾಗಿ ಹೇಳಿ - ಬಸಂತ್ ನೋಟಿನೊಂದಿಗೆ ಓಡಿಹೋದವನು ಎಷ್ಟು ಹೊತ್ತಾದರೂ ಹಿಂದಿರುಗುವುದಿಲ್ಲ. ಕಾದೂ ಕಾದೂ ರಾಜ್ ಕಿಶೋರನಿಗೆ ತಾಳ್ಮೆ ತಪ್ಪುತ್ತದೆ. 'ಬಸಂತ್ ಒಬ್ಬ ಮೋಸಗಾರ. ಅವನು ತನ್ನ ಹಣವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಓಡಿಹೋಗಿದ್ದಾನೆ. ಅವನು ವಾಪಸ್ ಬರುವುದಿಲ್ಲ' ಎಂದು ಚಿಂತಿಸಿದ ಆತ ಕೋಪದಿಂದಲೇ ಮನೆಗೆ ಹಿಂದಿರುಗುತ್ತಾನೆ. ನಂತರ, ಬಸಂತನ ತಮ್ಮನಾದ ಪ್ರತಾಪ್, ರಾಜ್‌ಕಿಶೋರನ ಮನೆಯನ್ನು ಹುಡುಕಿ ಪತ್ತೆಹಚ್ಚಿ ಬಾಕಿ ಹಣವನ್ನು ವಾಪಸ್ ನೀಡುತ್ತಾನೆ "ಬಸಂತ್ ಒಂದು ಕಾರಿಗೆ ಸಿಕ್ಕಿ ಅಪಘತಕ್ಕೆ ಒಳಗಾಗಿದ್ದಾನೆ, ಅವನ ಕಾಲುಗಳು ಮುರಿದಿವೆ" ಎಂದು ತಿಳಿಸುತ್ತಾನೆ. ಕೂಡಲೇ ಅವರ ಮನೆಗೆ ಹೊರಡುತ್ತಾನೆ.

ಬಸಂತ್ ತನ್ನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಸಿಗೆಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗಿ ನೋವಿನಿಂದ ಅಳುತ್ತಿರುತ್ತಾನೆ. ಯಾರೋ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ಮಾಡಿ ಅವನ ಕಾಲುಗಳಿಗೆ ಬ್ಯಾಂಡೇಜು ಕಟ್ಟಿದ್ದರು. ಯಾರಾದರೂ ಕಾಲನ್ನು ಮುಟ್ಟಿದರೆ ಬಸಂತ್. ನೋವಿನಿಂದ ಚೀರುತ್ತಿದ್ದ. ರಾಜಕಿಶೋರ್ ಅವನನ್ನು ಸಮಾಧಾನಪಡಿಸಿ ಕೂಡಲೇ ಡಾಕ್ಟರರನ್ನು ಕರೆಸುವುದಾಗಿ ಹೇಳಿದ. ಡಾಕ್ಟರ್ ಬಂದು ಬಸಂತನನ್ನು ಪರೀಕ್ಷಿಸಿದರು. “ಇವನ ಕಾಲಿನ ಮೂಳೆಗಳು ಮುರಿದಿವೆ. ಎಷ್ಟು ಹಾನಿಯಾಗಿದೆ ಎಂಬುದು ತಿಳಿಯಲು ಸ್ಕ್ಯಾನ ಮಾಡಿಸಬೇಕು' ಎಂದರು. ಆಗ ಕಣ್ಣು ತೆರೆದ ಬಸಂತ್ “ತಾನೊಬ್ಬ ಬಡವ, ತನಗೆ ಅಷ್ಟೆಲ್ಲಾ ಖರ್ಚು ಮಾಡುವಷ್ಟು ಹಣವಿಲ್ಲ” ಎಂದ. ರಾಜಕಿಶೋರ್ ಅವನನ್ನು ಸಮಾಧಾನಪಡಿಸಿ ಹಣದ ಬಗ್ಗೆ ಯೋಚಿಸದಿರುವಂತೆ ಹೇಳಿದ. ಈ ಹುಡುಗ ಬಡವನಾದರೂ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ, ಶ್ರಮಜೀವಿ ಮತ್ತು ವಿಶ್ವಾಸಾರ್ಹ ಎಂದು ಅವನು ಡಾಕ್ಟರರಿಗೆ ಹೇಳಿದ. ಪ್ರತಾಪ್‌ನ ನೆರವಿನೊಂದಿಗೆ ಡಾಕ್ಟರರು ಬಸಂತನಿಗೆ ಒಂದು ಇಂಜೆಕ್ಷನ್ ನೀಡಿದರು. ನೋವು ಕಡಿಮೆಯಾದದ್ದರಿಂದ ಬಸಂತ್ ಕಣ್ಣುಮುಚ್ಚಿ ನಿದ್ದೆಮಾಡಿದ. ತಾತ್ಕಾಲಿಕವಾಗಿ ಅವನ ಮುಖದ ಮೇಲೆ ಶಾಂತಿ ಮತ್ತು ನೆಮ್ಮದಿ ಕಂಡಿತು. ಹೀಗೆ ಈ ನಾಟಕವು ರಾಜಕಿಶೋರ್‌ನಂತಹ ಜನರು ಬಡಜನರ ಬಗೆಗೆ ಹೊಂದಿರುವ ಉದಾರಬುದ್ಧಿಯನ್ನು ಅನಾವರಣಗೊಳಿಸುತ್ತದೆ.

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1.बसंत क्या-क्या बेचता था?

उत्तर : बसंत छलनी, बटन तथा दियासलाई बेचता था।

2. बसंत के भाई का नाम क्या था?

उत्तर : बसंत के भाई का नाम प्रताप था।

3. पं. राजकिशोर कौन थे?

उत्तर : पं. राजकिशोर मजदूरों के एक नेता थे।

4. छलनी दाम क्या था?

उत्तर : छलनी का दाम दो आना था।

5. बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे?

उत्तर : बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते थे।

6. बसंत की सच्चाई एकांकी में कितने दृश्य हैं?

उत्तर : बसंत की सच्चाई एकांकी में तीन दृश्य हैं।

7. एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है?

उत्तर : एकांकी का प्रथम दृश्य बड़े नगर के बाज़ार में घटता है।

8. बसंत के घर पर डॉक्टर को कौन लेकर आता है?

उत्तर : बसंत के घर पर डॉक्टर को अमरसिंह लेकर आता है।

9. पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है?

उत्तर : पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदारी है।

10. पं. राजकिशोर कहाँ रहते थे?

उत्तर : पं. राजकिशोर किशनगंज में रहते थे।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.छलनी से क्या-क्या कर सकते हैं?

उत्तर : छलनी से दूध छान सकते हैं। इसके अलावा चाय भी छान सकते हैं।

2. बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता है?

उत्तर : बसंत राजकिशोर से बटन और दियासलाई लेने की विनती करता है। जब राजकिशोर के द्वारा मना करने पर वह फीर से उन्हे छलनी लेने के लिए भी विनती करता है।

3. बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है?

उत्तर : बसंत एक स्वाभिमानी लड़का था । वह मुफ्त में पैसे लेने को भीख समझता था। इसलिए बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार करता है ।

4. बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा?

उत्तर : बसंत नोट भुनाने के लिए बाज़ार की ओर गया। जब नोट भुनाकर वापस लौट रहा था तब वह मोटर के नीचे आ गया। इससे उसके दोनो पैर कुचले गये। इसलिए वह राजकिशोर के पास नहीं लौटा।

5. प्राताप राजकिशोर के घर क्यों आया?

उत्तर : बसंत राजकिशोर द्वारा दिये गए नोट को भुनाकर वापस आते समय मोटर के नीचे आ गया । इससे उसके दोनो पैर कुचले गये । इसलिए वह नहीं लौटा । छुट्टे पैसे वापस देने के लिए प्रताप राजकिशोर के घर आया ।

6. बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया?

उत्तर : साहब छलनी लीजिए। दूध छानिए, चाय छानिए... सिर्फ दो आना कीमत है। जब राजकिशोर के द्वारा मना करने पर बसंत (रुआँ-सा) होकर कहता है कि "साहब, सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका। आपसे आशा थी। साहब ! एक तो ले लीजिए। इस प्रकार बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए प्रेरित किया।

7. बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने क्या कहा?

उत्तर : बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने कहा की शायद पैर की हड्डी टूट गई है। इसलिए उसे अस्पताल ले जाकर पैर का स्क्रीन करके देखना होगा।

III. चार-छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. **बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे?**

   उत्तर : बसंत मुफ्त के पैसे को भीख समझता था। इसलिए वह राजकिशोर से मुफ्त में पैसे लेने से इनकार करता है। छलनी खरीदने के बाद राजकिशोर ने एक रुपये का नोट बसंत को दिया। बसंत उस नोट को भुनाने के लिए बाज़ार की ओर गया। लेकिन वापस आते समय मोटर दुर्घटना से उसके दोनो पैर कुचले गये। इस लिए वह राजकिशोर के पास न लौट सका। जब उसे होश आया तो उसने तुरंत अपने भाई प्रताप को पैसे लौटाने के लिए राजकिशोर के यहाँ भेजा। इस घटना से हमे लगता है कि बसंत ईमानदार भी है और स्वाभिमानी भी।

2. **बसंत और प्रताप अहीर के घर क्यों रहते थे?**

   उत्तर : बसंत और प्रताप के माँ-बाप को किसी ने दंगों में मार डाला था। अत: उनके परिवार वे दो भाई ही बचे थे। भीखू अहीर के घर में इनका पालन-पोषण हो रहा था। इसलिए वे दोनों अहीर के घर में रहते थे।

3. **राजकिशोर के मानवीय व्यहार का परिचय दीजिए।**

   उत्तर : पं. राजकिशोर ने बसंत की याचना सुनकर उसे मुफ्त में दो पैसे देने के लिए तैय्यार होते हैं। जब उस बालक के द्वारा मना करने पर उसकी छलनी खरीद लेते हैं। मोटर दुर्घटना की खबर सुनते ही डॉक्टर को बुलाकर बसंत के घर जाते हैं और उसका उपचार करवाते हैं। इसतरह गरीब बालक के प्रति हमदर्दी दिखाते हुए आदर के साथ मानवीय व्यवहार दर्शाते हैं।

IV. अनुरूपता:

1. पं. राजकिशोर : किशनगंज : : बसंत : __________ उत्तर . अहीर टीला;
2. पं. राजकिशोर : मजदूरों के नेता : : बसंत : __________ उत्तर . फेरीवाला;
3. पं. राजकिशोर : मालिक : : अमरसिंह : __________ उत्तर . नौकर;
4. प्रताप : छोटा भाई :: वर्मा : __________ उत्तर . डॉक्टर;
5. ? : प्रश्नार्थक चिह्न : : ! : ________ उत्तर . विस्मयादिबोधक चिह्न।

V . **रिक्त स्थान भरिए :**

1. मैं अभी बाज़ार से <u>भुना</u> लाता हूँ।
2. मैं आपके <u>साढ़े चौदह</u> आने लाया हूँ।
3. हम दोनों <u>भीखू अहीर</u> के घर में रहते हैं।
4. मैं <u>एम्बुलेंस</u> के लिए फोन कर आता हूँ।
5. इसमें एक दुर्लभ गुण है, यह <u>ईमानदा</u>र है।

VII. **निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए :**

1. एक छलनी में तुम्हें क्या बचेगा ? (वर्तमानकाल में)

एक छलनी में तुम्हे क्या बचता है।

2. मैं अभी बाज़ार से भुना लाता हूँ। (भूतकाल में)

मैने अभी बाज़ार से भुना लाया।

3. एक दूसरे व्यक्ति से पूछता है। (भविष्यतकाल में)

एक दूसरे व्यक्ति से पूछेगा।

VII **विलोमार्थक शब्द लिखिए :**

1. पीछे x आगे	3. लेना x देना
2. खरीदना x बेचना	4. आना x जाना
5. शांति x अशांति	6. गरीब x अमीर

VII. **कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :**

1.उसकी आयु लगभग 1 2 वर्ष की है।

उत्तर: ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸುಮಾರು 12 ವರುಷವಾಗಿತ್ತು.

His age was around 12 years

2. सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका।

ಬೆಳಗಿನಿಂದ ಈವರೆಗೆ ಏನು ಮಾರಾಟವಾಗಿಲ್ಲ

Nothing is sold uptill now since the morning

3 . मै भीख नहीं लूँगा ।

उत्तर: ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ

I will not accept alms

4. बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए।

उत्तर: ಬಹಳ ಪರಿಶ್ರಮದಿಂದ ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು.

With great difficulty they took Basanth home

5. बसंत ओठ भींचकर आह खींचता है।

उत्तर: ಬಸಂತ ತುಟಿ ಕಚ್ಚಿ ನಿಟ್ಟುಸಿರು ಬಿಡುತ್ತಾನೆ.

Basanth bites his lips and takes deep breath

6. यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है।

उत्तर: ಇವನು ಬಡವ ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ದುರ್ಲಭ ಗುಣವಿದೆ.

He is poor but has a rere quality.

पाठ - 7 तुलसी के दोहे

- लेखक :- गोस्वामी तुलसीदास

कवि परिचय

जन्म – सन 1532-1623

शाखा – रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि

माता पिता – आत्माराम, हुलसी

बचपन का नाम – रामबोला

मरण – 1623 काशी मे

रचनाएँ – रामचरित मानस, विनया पत्रिका, गीतावली

दोहों का आशय :

गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने दोहों में भक्ति और नैतिकता को प्रतिपादित किया है। उन्होंने प्रस्तुत दोहों में विवेकपूर्ण व्यवहार, संतों के लक्षण, दया-धर्म का महत्व, विपत्ति के साथी राम पर भरोसा, अन्तर और बाह्य के प्रकाश के बारे में बड़ा ही सुन्दर चित्रण किया है।

ಗೋಸ್ವಾಮಿ ತುಳಸಿದಾಸ್ ರವರು ತಮ್ಮ ದೋಹಗಳಲ್ಲಿ ಭಕ್ತಿ ಮತ್ತು ನೈತಿಕತೆಯನ್ನು ಪ್ರತಿಪಾದಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಅವರು ಪ್ರಸ್ತುತ ಲೋಹಗಳಲ್ಲಿ ವಿವೇಕಪೂರ್ಣ ವ್ಯವಹಾರ, ಸಂತರ ಲಕ್ಷಣ, ದಯ - ಧರ್ಮದ ಮಹತ್ವ, ಕಷ್ಟಕಾಲದಲ್ಲಿ ರಾಮನ ಮೇಲೆ ಬರವಸೆ, ಅಂತರಂಗ ಮತ್ತು ಬಹಿರಂಗದ ಮೇಲೆ ಬೆಳಕು ಚೆಲ್ಲುತ್ತ ಬಹಳ ಸುಂದರವಾಗಿ ಚಿತ್ರಿಸಿದ್ದಾರೆ.

दोहों का सारांश / भावार्थ : ದೋಹಗಳ ಸಾರಾಂಶ:

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥

तुलसीदास मुख अर्थात् मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं कि मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम इस तरह से करें उसका फल समाज के सब लोगों को समान रूप से मिले।

ತುಳಸಿದಾಸರು ಮುಖ ಮತ್ತು ಮುಖ್ಯಸ್ಥ ಇಬ್ಬರ ಸ್ವಭಾವನ್ನು ಸಮಾನತೆಯಿಂದ ಕಾಣುತ್ತಾರೆ. ಮುಖ್ಯಸ್ಥನಾದನು ಮುಖದಂತೆ ಇರಬೇಕು. ಮುಖವು ತಿನ್ನುವ ಕುಡಿಯುವ ಕೆಲಸ ಒಂದೇ ಮಾಡುತ್ತದೆ. ಆದರೆ ಅದು ತಿನ್ನುವುದು ಕುಡಿಯುವುದರಿಂದ ಅದರ ಶರೀರದ ಎಲ್ಲ ಅಂಗಗಳ ಪಾಲನೆ-ಪೋಷಣೆ ಯಾಗುತ್ತವೆ. ತುಳಸಿದಾಸರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯಸ್ಥನಾದನು ಮುಖದಂತೆ ವಿವೇಕವಾನನಾಗಿರಬೇಕು. ಅವನು ಕೆಲಸ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಮುಖದ ಮುಖದ ತರಹ ಯಾವುದೇ ಫಲಾಪೇಕ್ಷೆಯಿಲ್ಲದೆ ಮಾಡುತ್ತಾ ಸಮಾಜದ ಎಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೆ ಸಮಾನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ನೀಡಬೇಕು.

2. जड चेतन, गुण-दोषमय, विस्व कीन्ह करतार।
संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार ।।

प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं कि संत हंस पक्षी के समान होते हैं। सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड चेतन तथा गुण-दोष से भरकर बनाया है। इसका यह अर्थ है कि इस जगत् या संसार में अच्छे बुरे समझ-नासमझ के रूप में कई गुण-दोष भरे हुए हैं। जिस प्रकार हंस पक्षी दूध को ग्रहण करके सारहीन पानी को छोडता है उसी प्रकार संत लोग भी पानी रूपी विकारों को छोडकर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाते हैं।

ಈ ಪ್ರಸಸ್ತುತ ದೂರದಲ್ಲಿ ತುಳಸಿದಾಸರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಸಂತರಾದವರು ಹಂಸಪಕ್ಷಿಯ ತಾರನಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ಸೃಷ್ಟಿಕರ್ತ ಭಗವಂತನು ಈ ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಸಜೀವ - ನಿರ್ಜೀವ ವಸ್ತುಗಳ ಜೊತೆಗೆ ಗುಣದೋಷಗಳನ್ನು ತುಂಬಿದ್ದಾನೆ. ಇದರ ಅರ್ಥ ಇಷ್ಟೇ - ಈ ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಒಳ್ಳೆಯದು-ಕೆಟ್ಟದ್ದು, ತಿಳಿದ - ತಿಳಿಯಲಾರದ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಕೆಲವು ಗುಣ ದೋಷಗಳು ತುಂಬಿವೆ. ಹಂಸ ಪಕ್ಷಿ ಹೇಗೆ ನೀರಿಲ್ಲದ ಬಿಟ್ಟು ಬರೀ ಹಾಲನ್ನು ಹೇಗೆ ಇರುತ್ತದೆಯೋ ಹಾಗೆ ಸಂತ ಜನರು ನೀರನ್ನು ರೂಪದಲ್ಲಿರುವ ವಿಕಾರವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು, ಹಾಲಿನ ರೂಪದಲ್ಲಿರುವ ಒಳ್ಳೆಯ ಗುಣಗಳನ್ನು ತಮ್ಮದಾಗಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾರೆ.

3) दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ॥

तुलसीदास ने स्पष्टतः बताया है कि दया धर्म का मूल है और अभिमान पाप का। इसलिए कवि कहते हैं कि जब तक शरीर में प्राण हैं, तब तक मनुष्य को अपना अभिमान छोड़कर दयावान बने रहना चाहिए।

ತುಳಸಿದಾಸರು ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ದಯವೇ ಧರ್ಮದ ಮೂಲ ಮತ್ತು ಅಭಿಮಾನ ಪಾಪದ ಮೂಲವೆಂದು. ಆದ್ದರಿಂದ ಕವಿಗಳು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಎಲ್ಲಿಯವರೆಗೂ ಶರೀರದಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಣ ಇರುತ್ತದೇ, ಅಲ್ಲಿಯವರೆಗೂ ಮನುಷ್ಯನಾದವನು ತನ್ನ ಅಭಿಮಾನವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ದಯವಂತನಾಗಿರಬೇಕು.

4) तुलसी साथी विपत्ति के विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत राम भरोसो एक ॥

तुलसीदास जी कह रहे हैं कि मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है तब विद्या, विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं। जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान बनता है।

ತುಳಸೀದಾಸರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ - ಮನುಷ್ಯನ ಯಾವಾಗ ಕಷ್ಟದಲ್ಲಿ ಬೀಳುತ್ತಾನೆ, ಆಗ ವಿದ್ಯೆ, ವಿನಯ, ಮತ್ತು ವಿವೇಕಗಳು ಅವನ ಜೊತೆ ನಿಂತು ಕಷ್ಟವನ್ನು ನಿಭಾಯಿಸುತ್ತವೆ. ಯಾರು ರಾಮನ ಮೇಲೆ ಭರವಸೆಯನ್ನು ನೀಡುತ್ತಾರೆ. ಅಂತವರು ಯಾವಾಗಲೂ ಸತ್ಯವಂತರು ಹಾಗೂ ಸುಕೃತ್ಯರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ.

5. राम नाम मनि दीप धरु जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहिरौ जो चाहसी उजियार ।।

यहाँ पर तुलसीदासजी राम-नाम की महिमा बताते हैं। जिस प्रकार घर की देहलीज पर दिया या ज्योति रखने से घर के भीतर और बाहर रोशनी या प्रकाश फैलता है उसी प्रकार देहलीज रूपी जीभ पर राम-नाम रूपी ज्योति रखने से मन में और मन के बाहर दोनों ओर ज्ञानरूपी रोशनी या प्रकाश फैलता। राम-नाम जपने से मनुष्य के भीतर और बाहर की शुद्धि होती है।

ಇಲ್ಲಿ ತುಳಸಿದಾಸರು ರಾಮ ನಾಮದ ಮಹಿಮೆಯ ಕುರಿತು ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಯಾವ ರೀತಿಯಾಗಿ ಮನೆಯ ಹೊಸ್ತಿಲ ಮೇಲೆ ದೀಪವನ್ನು ಇಡುವುದರಿಂದ, ಮನೆಯ ಒಳಗೆ ಮತ್ತು ಹೊರಗೆ ಬೆಳಕನ್ನು ಹರಡುತ್ತದೆ, ಅದೇ ತರನಾಗಿ ಹೊಸ್ತಿಲ ರೂಪದ ನಾಲಿಗೆಯ ಮೇಲೆ ರಾಮನಾಮದ ಜ್ಯೋತಿಯ ನೀಡುವುದರಿಂದ ಮನಸಿನ ಒಳಗೆ ಮತ್ತು ಮನದ ಹೊರಗೆ ಜ್ಞಾನ ರೂಪದ ಬೆಳಕು ಹರಡುತ್ತದೆ. ರಾಮನಾಮ ಜಪಿಸುವುದರಿಂದ ಮನುಷ್ಯನ ಅಂತರಂಗ ಮತ್ತು ಬಹಿರಂಗ ಶುದ್ಧಿಯಾಗುತ್ತದೆ.

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. **तुलसीदास मुख को क्यों मानते हैं ?**

   उत्तर: तुलसीदास शरीर को क्षणिक मानते हैं।

2. **मुखिया को किसके समान रहना चाहिए ?**

   उत्तर: मुखिया को मुख के समान रहना चाहिए।

3. **हंस का गुण कैसा होता है ?**

   उत्तर:हंस का गुण दूध को ग्रहण करके पानी को छोडता हैं। हंस का गुण यह है कि वह सारहीन वस्तु को छोडकर अच्छे को अपनाता है।

4. **मुख किसका पालन-पोषण करता है ?**

   उत्तर: मुख शरीर के सकल अंगों का पालन-पोषण | करता है।

5. **दया किसका मूल है ?**

   उत्तर: दया धर्म का मूल है।

6. **तुलसीदास किस शाखा के कवि हैं ?**

   उत्तर: तुलसीदास राम-भक्ति शाखा के कवि हैं।

7. **तुलसीदास के माता-पिता का नाम क्या था ?**

   उत्तर: तुलसीदास के माता-पिता का नाम हुलसी और आत्माराम दुबे था।

8. **तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था ?**

   उत्तर: तुलसीदास के बचपन का नाम रामबोला था।

9. **पाप का मूल :क्या है ?**

   उत्तर: पाप का मूल अभिमान है।

10. **तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन हैं ?**

    उत्तर: तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी विद्या, विनय और विवेक हैं।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। कैसे?

उत्तर: मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता-पीता है, उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण होता है। तुलसी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकशील होना चाहिए कि वह सबके हित में काम करें।

2.मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए?

अथवा

तुलसीदास के अनुसार मनुष्य को हंस से क्या सीखना चाहिए?

उत्तर: जिस प्रकार हंस पक्षी सारहीन या पानी को छोडकर दूध या सार को ग्रहण करता है उसी प्रकार मनुष्य को पानी रूपी विकार गुणों को छोडकर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3.मनुष्य के जीवन में प्रकाश कब फैलता है?

उत्तर: जब मनुष्य अपने देहलीज रूपी जीभ पर राम नाम रूपी ज्योति रखता है तब उसके मन के अन्दर और बाहर ज्ञानरूपी प्रकाश फैलता है। जब वह रामनाम क जपता है या स्मरण करता है तब मनुष्य के जीवन में चारों ओर ज्ञानरूपी प्रकाश फैलता है।

III. अनुरूपता :

1. दया : धर्म का मूल :: पाप : ——

   उत्तर: अभिमान का मूल

2. परिहरि : त्यागना :: करतार : ——

   उत्तर: सृष्टिकर्ता

3. जीह : जीभ :: देहरी : ——

   उत्तर: दहलीज

IV भावार्थ लिखिए :

1. **मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।**
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक॥
उत्तर: मुखिया को मुख या मुँह के समान होना चाहिए। इस प्रकार तुलसीदासजी कहते हैं कि मुँह खाने पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता पीता है, उससे शरीर के सारे अंगों का पालन पोषण करता है। इसलिए मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होकर वह अपना काम अपने तरह से करे लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

2. **तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक।**
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक।

उत्तर: तुलसीदासजी कहते हैं कि विद्या, विनय, विक ये विपत्ति के साथी। जब मनुष्य पर विपत्ती पडती है। तब विद्या, विनय और विवेक ही उसका साथ निभाते हैं। जो राम पर विश्वास रखता है वह साहसी, सत्यव्रत तथा सुकृतवान बनता है।

VIII. उचित विलोम शब्द पर सही (✓) का | निशान लगाइए :

1.	विवेक	सेवक	☐	अविवेक	✓
2.	दया	निर्दया	✓	शुभोदया	☐
3.	धर्म	मर्म	☐	अधर्म	✓
4.	विकार	अविकार	✓	संस्कार	☐
5.	विनय	सविनय	☐	अविनय	✓

ಕರ್ನಾಟಕ ವಸತಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸಂಘ

कोशिश

एक कदम आगे...

अध्ययन सामग्री

दसवीं कक्षा 10

हिंदी वल्लरी

Third Language Hindi

तृतीय भाषा हिंदी

ಸಂಪಾದಕರು:

ಡಾ. ಎನ್ ದೇವರಾಜ್

ಎಮ್.ಎ, ಎಮ್.ಎಡ್, ಪಿಎಚ್.ಡಿ, ಎಮ್.ಬಿ.ಎ

ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು

ಮೊರಾರ್ಜಿ ದೇಸಾಯಿ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಸಾಮಾನ್ಯ)

ಚಾಮರಾಜಪೇಟೆ ಬೆಂಗಳೂರು - 560 018

ಮೊ. ನಂಬರ : 9449214660

ಶ್ರೀ ಬಸವರಾಜ ಭೂತಿ

ಎಮ್. ಎ, ಬಿ.ಎಡ್

ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು

ಕಿತ್ತೂರು ರಾಣಿ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಪ.ಪಂ) ಬೇವಿನಹಳ್ಳಿ

ಕ್ರಾಸ್, ಶಹಾಪುರ. ಜಿಲ್ಲಾ ಯಾದಗಿರ. 585 223

ಮೊ. ನಂಬರ : 9900804567

पाठ – 8 इन्टरनेट क्रांति

पाठ का आशय :

वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव-जीवन को सुविधाजनक बनाया है। इंटरनेट से मानव की जीवनशैली और उसकी सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है। आज इंटरनेट के बिना संचार व सूचना दोनों क्षेत्र कमजोर हो जाते हैं। इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक जगह ला खड़ा कर दिया है। जीवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है

टिप्पणी:

1. **संचार माध्यम -** समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, दूरभाष, दूरदर्शन, इंटरनेट आदि साधन जिनका उपयोग सूचनाओं के संदेशवहन के लिए किया जाता है।

2. **वीडियो कान्फरेन्स -** Video Conference एक सभागार जिसमें कई लोगों के साथ 8-10 टी.वी. के परदे पर एक साथ चर्चा होती है।

3. **इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस -** सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा संभाव्य सेवाएँ-सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा प्राप्त करायी जानेवाली सेवाएँ, जैसे बी.पी.ओ.।

4. **कबंध बाँहें -** कबंध नामक एक राक्षस था जिसकी बाँहें लंबी होकर कहीं भी पहुँच सकती थीं। कहा जाता है कि जब उसने अपनी बाँहों में श्रीराम तथा लक्ष्मण को फँसाया था, तब श्रीराम ने उसकी बाँहों को काट दिया था। प्रस्तुत पाठ में इंटरनेट के व्यापक प्रभाव को दिखाने के लिए इन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

शब्दार्थ :

- दायरा- क्षेत्र, सीमा, ಮೇರೆ;
- तकनीकी- प्रौद्योगिकी, Technology, ತಂತ್ರ ಜ್ಞಾನ;
- नज़रिया- दृष्टिकोण, ನೋಟ,
- सुझाव- सलाह, ಸಲಹೆ,
- अनगिनत- असंख्य, ಬಹಳಷ್ಟು;
- खबर- समाचार, ಸುದ್ದಿ;
- व्यय- खर्च करना,
- सूचना - जानकारी, Information; ತಿಳುವಳಿಕೆ;
- ठप पड़ना- बंद होना,
- खोज- शोध, अन्वेषण;
- रकम- धनराशि, ಹಣ
- अभिलेख- लिखित विवरण, Record;
- यथावत्- जैसे के वैसे,
- पैरसी- चुराकर नकली प्रतियाँ बनाना, Piracy;
- फ्रॉड-धोखा, ಮೋಸ fraud;
- पाश- बंधन, फंदा;
- हासिल करना- प्राप्त करना,
- इनफारमेशन टैक्नोलाजी- सूचना प्रौद्योगिकी।

➢ ಸಾರಾಂಶ:

ಇಂದಿನ ಯುಗ ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಅಥವಾ ಅಂತರ್ಜಾಲದಯುಗವಾಗಿದೆ. ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಎನ್ನುವುದು ಜಗತ್ತಿನ . ಕಂಪ್ಯೂಟರ್‌ಗಳನ್ನು

ಸಂಪರ್ಕಗೊಳಿಸುವ ಒಂದು ರೀತಿಯ ಜಾಲ. ಇದರಿಂದಾಗಿ ಇಡಿಯ ವಿಶ್ವವೇ ಒಂದು ಪುಟ್ಟ ಹಳ್ಳಿಯಾಗಿದೆ. ಇಂದು ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಅಥವಾ ಅಂತರ್ಜಾಲವು ಮನುಕುಲಕ್ಕೆ ಅತ್ಯಗತ್ಯವಾಗಿದೆ. ಹೆಚ್ಚು ಹಣದ ಖರ್ಚಿಲ್ಲದೆ ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ವಿಶ್ವದ ಯಾವುದೇ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರೂ ಇತ್ತೀಚಿನ ಸುದ್ದಿ, ಚಿತ್ರಗಳು ಹಾ ವಿಡಿಯೋಗಳನ್ನು ಪಡೆಯ ಬಹುದು ಅಥವಾ ಕಳುಹಿಸಬಹುದು. ಇದರಿಂದಾಗಿ ಅಂತಜಾಲವು ಇಂದಿನ ತಾಂತ್ರಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಅವಿಭಾಜ್ಯ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ನಾವು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತೇ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಬಹುದು ಹಾಗೂ ನಮ್ಮ ಬಿಲುಗಳನ್ನು ಪಾವತಿಸಬಹುದು. ಇದರಿಂದಾಗಿ ಸಮಯ ಉಳಿಯುತ್ತದೆ. 'ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಬ್ಯಾಂಕಿಂಗ್‌ನಿಂದಾಗಿ ನಾವು ವಿಶ್ವದ ಯಾವುದೇ ಮೂಲೆಗೆ ಹಣವನ್ನು ಕಳುಹಿಸಬಹುದು. 'ವಿಡಿಯೋ ಕಾನ್ಫರನ್ಸಿಂಗ್ ಮೂಲಕ ವಿಶ್ವದ ಇನ್ನೊಂದು ಭಾಗದಲ್ಲಿರುವ ಇತರ ರೊಂದಿಗೆ ಇಲ್ಲಿಂದಲೇ ಚರ್ಚೆ ನಡೆಸಲು ಸಾಧ್ಯ. ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಮಾಹಿತಿ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ (IT) ಮತ್ತು ಮಾಹಿತಿ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ ಬೆಂಬಲಿತ ಸೇವೆಗಳು (ITES) ಅಂತರ್ಜಾಲ ದಿಂದಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹವನ್ನು ಪಡೆದಿವೆ. ಇದರಿಂದಾಗಿ ಸಾವಿರಾರು ಜನರಿಗೆ ಉದ್ಯೋಗ ಲಭಿಸಿದೆಯಲ್ಲದೆ ಅನೇಕ ದೇಶಗಳ ಆರ್ಥಿಕ ಸ್ಥಿತಿ ಸುಧಾರಿಸಿದೆ. ' ಸೋಷಿಯಲ್ ನೆಟ್‌ವರ್ಕಿಂಗ್' ಒಂದು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಕವಾದ ಆವಿಷ್ಕಾರವಾಗಿದೆ. ಇಂದು ಫೇಸ್‌ಬುಕ್,ಆರ್ಕುಟ್, ಟ್ವಿಟರ್, ಲಿಂಕ್ಡಿನ ಮುಂತಾದ ಅನೇಕ ಸಾಮಾಜಿಕ ತಾಣಗಳಿವೆ. ಇವೆಲ್ಲವುಗಳಿಂದಾಗಿ ನಾವು ವಿವಿಧ ದೇಶಗಳ ಆಹಾರ ಪದ್ಧತಿ, ವೇಷಭೂಷಣಗಳ ಅಭ್ಯಾಸಗಳು, ಕಲೆ, ಸಂಸ್ಕೃತಿ ಮುಂತಾದವುಗಳನ್ನು ಅರಿಯಬಹುದು. ಇದರ ತೀವ್ರವಾದ ಪ್ರಭಾವ ನಮ್ಮ ದೇಶದ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ಮೇಲೂ ಆಗುತ್ತಿದೆ. ಭಾರತ ಮುಂತಾದ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಶೀಲ ರಾಷ್ಟ್ರಗಳು 'ಇ ಗವರ್ನನ್ಸ್' ಅನ್ನು ಜಾರಿಗೆ ತರಲು ಬಹಳ ಶ್ರಮಿಸುತ್ತಿದೆ. ಈ ವಿಧಾನದಿಂದಾಗಿ ಸರ್ಕಾರದ ನೀತಿ ನಿಯಮಗಳು, ಆಜ್ಞೆ. ಆದೇಶಗಳು ಮತ್ತು ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ಜನಸಮುದಾಯಕ್ಕೆ ಬಹುಸುಲಭವಾಗಿ ತಿಳಿಸಬಹುದು. ಇದರಿಂದಾಗಿ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಆಡಳಿತ ಹೆಚ್ಚು. ಪಾರದರ್ಶಕವಾಗುತ್ತದೆ.

ಈ ಕಾರಣಗಳಿಂದಾಗಿ ಅಂತರ್ಜಾ ವು ಒಂದು ವರವಾಗಿದೆ. ವಿಜ್ಞಾನ, ಕೃಷಿ, ಬಾಹ್ಯಾಕಾಶ ಶೋಧ, ವೈದ್ಯಕೀಯ ಹಾಗೂ ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸದ ಕೇತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ಇದೊಂದು ದೊಡ್ಡ ಆವಿಷ್ಕಾರವಾಗಿದೆ. ಸಶಸ್ತ್ರ ಪಡೆಗಳು ಮತ್ತು ರಾಷ್ಟ್ರರಕ್ಷಕ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಕಾರಾಚರಣೆಯಲ್ಲಿಯೂ ಅಂತರ್ಜಾಲವು ಮಹತ್ವದ ಪಾತ್ರವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತದೆ. ಅಂತರ್ಜಾಲವು ಒಂದು ವರ ಎನ್ನುವುದು ನಿಜವೇ ಆದರೂ ಇದರಲ್ಲಿಯೂ ಕೆಲವು ನತೆಗಳಿವೆ. ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಕಾರಣದಿಂದಾಗಿ, ಸ್ವಾಮ್ಯಚೌರ್ಯ (piracy), ಹಣಕಾಸಿನ ವ್ಯವಹಾರದಲ್ಲಿ ಮೋಸ, ಮಾಹಿತಿ ಕಳವು ಮುಂತಾದವು ಗಣನೀಯ ವಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿವೆ.

ಯುವಜನರು ಬಹುಪಾಲು ಸಮಯವನ್ನು ಅಂತರ್ಜಾಲದಲ್ಲಿ ಕಳಯುತ್ತಾ ಸಮಯವನ್ನು ವ್ಯರ್ಥಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಮಕ್ಕಳು ಅನಗತ್ಯವಾದ ಮತ್ತು ಉಪಯುಕ್ತವಲ್ಲದ ಸಂಗತಿಗಳನ್ನು ಕಲಿಯುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಜನರು ಅಂತರ್ಜಾಲವನ್ನು ಬಳಸುವಾಗ ಜಾಗರೂಕತೆ ವಹಿಸಬೇಕು.

I. वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.इंटरनेट का अर्थ क्या है?

उत्तर: इंटरनेट अनगिनत कम्प्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से सम्बन्ध स्थापित करने का जाल है।

2.संचार और सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

उत्तर: इंटरनेट के बिना संचार और सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड जाते हैं।

3.इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है?
उत्तर: इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है। खरीदारी कर सकते हैं। बिल भर सकते हैं।

4.प्रगतिशील राष्ट- किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं?
उत्तर: प्रगतिशील राष्ट- ई-गवर्नेन्स द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

5. समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है?
उत्तर:समाज के चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि . तथा:देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बडा योगदान है।

6.इंटरनेट क्रांति का असर किस पर पड़ा है?
उत्तर: इंटरनेट क्रांति का असर बडे बूढों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर पड़ा है।

7. आई.टी.ई.एस. का विस्तृत रूप क्या है?
उत्तर: आई.टी.ई.एस. का विस्तृत रूप इनफारमेशन टेक्नोलजी एनेबल्ड सर्विसेस है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.इंटरनेट का मतलब क्या है?
उत्तर: इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है। इंटरनेट एक तरह से विश्वव्यापी कंप्यूटरों का अंतर्जाल (नेटवर्क) है, जिसकी वजह से पूरे विश्व का विस्तार एक गाँव का-सा छोटा हो गया है।

प्रश्न 2. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है ?
उत्तर: इंटरनेट द्वारा हम घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दुकान जाने और लाइन में घंटो खडे रहने का समय बच सकता है। इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

प्रश्न 3. ई-गवर्नेस क्या है?

उत्तर: ई-गवर्नेस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि यथावत् लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

III. **चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :**

प्रश्न 1. संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व

उत्तर:इंटरनेट द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, विडियो चित्र हो दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। चाहो तो पूरे एक पुस्तकालय की किताबों के विषय को कम समय में कहीं भी भेज सकते हो। इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है। शायद इसके बिना संचार और सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप ने पड जाते हैं। आज इंटरनेट के बिना संचार और सूचना दोनों क्षेत्र कमजोर हो जाते हैं।

प्रश्न 2. वीडियो कान्फरेन्स.. के बारे में लिखिए।

उत्तर: वीडियो कान्फरेन्स में एक जगह बैठकर ही | दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचारविनिमय कर सकते हैं।

प्रश्न 3. सोशल नेटवर्किंग.. एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे?

उत्तर:सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है। जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खडा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई सीइट्स हैं, जैसे – फेसपुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकड – इन आदि। इन साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन वेश-भूषा, खान-पान के अलावा संस्कृति कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड रहा है।

प्रश्न 4. इंटरनेट से कौन-सी हानियाँ हो सकती हैं ?

उत्तर: इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है। इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग कर फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही है। मुक्त वेबसाइट, चैटिंग न | आदि से युवा पीढी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध ज्ञा बाहों के पाश में फंसे हुए हैं। इससे समय का दुरुपयोग और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।

IV. अनुरूपता :

1. कंप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : ——

   अंतर्जाल

2. आई.टी. : इनफारमेशन टैक्नोलाजी :: आई.टी.ई.एस. : —

   इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस

3. फेसपुक : वरदान :: हैकिंग : —

   शाप

4. वीडियो कान्फ्ल्स : विचार-विनिमय :: ई-प्रशासन : ——-

   सरकारी काम में पारदर्शिता

VII सही विलोम शब्दों को चुनकर कीजिए:

(नामुमकिन, अभिशाप, उपयुक्त, घटना, सदुपयोग, अस्थिर)

1. बढना x घटना
2. स्थिर x अस्थिर
3. मुमकिन x नामुमकिन
4. वरदान x अभिशाप
5. दुरुपयोग x सदुपयोग
6. अनुपयुक्त xउपयुक्त

IX. अन्य वचन रूप लिखिए :(उदाहरण के अनुसार)

उदा : पैसा – पैसे

उदा : खबर – खबरें

1. किताब – किताबें

1. परदा – परदे

2. कमरा – कमरे

3. दायरा – दायरे

उदा : युग – युग

1. दोस्त – दोस्त
2. कंप्यूय – कंप्युटर
3. रिश्तेदार – रिश्तेदार

2. जगह – जगह
3. कोशिश – कोशिशें

उदा : जिंदगी – जिंदगियाँ

1. जानकारी – जानकारियाँ
2. चिट्ठि – चिट्ठियाँ
3. जीवनशैली – जीवनशैलियाँ

X. **इन वाक्यों में प्रयुक्त विराम चिह्नों का नाम लिखिए :**

1.आज का युग इंटरनेट युग है। उत्तर: पूर्ण विराम

2.इंटरनेट का मतलब क्या है? उत्तर: प्रश्नार्थक चिन्ह

3.बडा अच्छा सवाल है! उत्तर: उद्गारवाचक चिन्ह

4.लोगों के साथ विचार – विनिमय कर सकते है। उत्तर: योजक चिन्ह

5.हाँ हाँ , दुश्परिणाम है। उत्तर:अल्प विराम चिन्ह

पाठ – 9 ईमानदारों के सम्मेलन मे - हरिशंकर परसाई

पाठ का आशय :

इस जगत् में अच्छाई-बुराई दोनों दिखाई देती हैं। हंस -क्षीर न्याय की तरह इनमें हमें सिर्फ अच्छाई को अपनाकर बुराई को छोड़ देना चाहिए। बेईमानी एक अवगुण है। बेईमानों पर व्यंग्य करते हुए प्रस्तुत रचना द्वारा लेखक ने सचेत किया है कि हम बेईमानी से दूर रहें।

लेखक परिचय :

कलम को लेखक की तलवार माननेवाले श्री हरिशंकर परसाई हिन्दी साहित्य जगत् की एक बेजोड़ निधि हैं। इनका जन्म मध्यप्रदेश के जमानी गाँव में 22 अगस्त 1924 को हुआ था। इनकी कुछ प्रमुख रचनाएँ हैं - हँसते हैं रोते हैं, भूत के पाँव पीछे, सदाचार का तावीज़, वैष्णव का फिसलन आदि। हिन्दी के व्यंग्य साहित्य के विकास में इनका योगदान अद्वितीय है।

शब्दार्थ

- पर्दाफाश-अनावरण,
- कतई-हरगिज़, कभी भी;
- हलफिया-कसम से,
- तकलीफ-कष्ट,
- शानदार-वैभवयुत,
- डेलीगेट-Delegate, प्रतिनिधि ;
- जलसा - समारोह, उत्सव;
- हिचक-संकोच,
- गनीमत-खुशी की बात,
- चश्मा-ऐनक,
- कागज़ात-कागज-पत्र,
- हल्ला-शोर,
- इतमीनान-भरोसा, विश्वास;
- हरारत-हल्का ज्वर ;
- हरगिज़-बिल्कुल,
- किसी दशा में भी;
- सिरहाना-तकिया।

I. एक वाख्यों मे उत्तर लिखिए :

1. **प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन हैं ?**

   उत्तर :- प्रस्तुत कहानी के लेखक हरिशंकर परसाई हैं।

2. **लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे ?**

   उत्तर :- लेखक दूसरे दर्जे में सफर करके पहले दर्जे का किराया वसूलना चाहते थे।

3. **लेखक की चप्पले किसने पहनी थीं ?**

उत्तर :- लेखक की चप्पले ईमानदार डेलिगेट ने पहनी थी ।

4. **स्वागत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे ?**

उत्तर :- स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे ।

5. **लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये ?**

उत्तर :- लेखक पहनने के कपड़े सिरहाने दबाकर सोये ।

6. **सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती थी ?**

उत्तर :- सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती थी ।

7. **लेखक को कहाँ ठहराया गया** ?

उत्तर :- लेखक को होटेल के एक बडे कमरे में ठहराया गया

8. **सम्मेलन का उद्घाटन कैसे हुआ ?**

उत्तर :- सम्मेलन का उद्घाटन शानदार हुआ ।

9. **ब्रीफकेस में क्या था ?**

उत्तर :- ब्रीफकेस में कुछ कागज़ात थे ।

10. **लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था ?**

उत्तर :- लेखक ने धूप का चश्मा टेबल पर रखा था ।

11. **तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था ?**

उत्तर :- तीसरे दिन लेखक के कमरे से कम्बल गायब हो गया था |

III **दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :**

1.लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था ?

उत्तर :- पत्र में लिखा था – "हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं । आप देश के प्रसिध्द ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने-जाने के पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।"

2. फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?

उत्तर :- लेखक को लगभग दस बड़ी फूल-मालाएँ पहनायी गयीं । उन्होंने सोचा, आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता ।

3. लेखक ने मंत्री को क्या समझाया ?

उत्तर :- लेखक ने मंत्री को समझाया की -"ऐसा हरगिज मत करिये । ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।"

4. चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने क्या सुझाव दिया ?

उत्तर :- डेलिगेट ने सुझाव दिया कि –"देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चिहिए । एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होतीं। एक ही जगह जोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा । मैंने ऐसा ही किया था।"

5. लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया ?

उत्तर :- होटल के कमरों में बहुत ज्यादा चोरियाँ होने लगी थी। अपने पास बची वस्तुओं ओ सुरक्षित रखने के लिए लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया ।

6. मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है ?

उत्तर :- मुख्य अतिथि ने ईमानदार डेलिगेट की फटी – पुरानी चप्पलें बिना बताए पहन ली थी। इससे पहले वे सोचते थे कि दूसरे दर्जे में यात्रा कर के पहले दर्जे का किराया वसूल कर लिया जाए और स्वागत में पहनायी गयी दस फूल-मालाओं को किसी माली को बेच लेता ।

III चार-छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए ।

उत्तर :- लेखक का धूप का चश्मा कहीं खो गया था। आसपास यह बात हर जगह फैल गई। इस बीच एक सज्जन, लेखक के पास आए और बोले –"बड़ी चोरियाँ हो रही हैं। देखिए, आपका धूप का चश्मा ही चला गया।" लेखक ने ध्यान से देखा तो वे सज्जन उनका ही धूप का चश्मा पहने हुए थे ।

2. मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ ?

उत्तर :- मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे, "तुम लोग क्या करते हो? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ हैं। तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही हैं। यह ईमानदार सम्मेलन है । बाहर यह चोरी की बात फैली, तो कितनी बदनामी होगी ?" कार्यकर्ताओं ने कहा, "हम क्या करें ? अगर सम्माननीय डेलिगेट यहाँ-वहाँ जायें, तो क्या हम उन्हें रोक सकते हैं ?" तब मंत्री ने गुस्से से कहा, "मैं पुलिस को

बुलाकर यहाँ सबकी तलाशी करवाता हूँ।”

3. सम्मेलन में लेखक के क्या-क्या अनुभव रहे? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर :- सम्मेलन के शानदार उद्घाटन के बाद लेखक की चप्पलों की अदला – बदली हो गयी। लेखक ने देखा कि बिस्तर की चादर भी गायब है। अगले दिन उन्होंने देखा कि दो और चादरें होटेल के कमरे से गायब थी। इसी दौरान उनका धूप का चश्मा भी खो गया था। बाद में उन्होंने एक सज्जन व्यक्ति के पास देखा। सम्मेलन के तीसरे दिन उनका कम्बल भी गायब था। अगले दिन लेखक रात को पहनने के कपड़े सिरहाने दबाया और नयीं चप्पलें तथा शेविंग के डिब्बे को बिस्तर के नीचे दबाया। अगले दिन ताला चोरी हो गया। तब लेखक ने तय किया कि जल्दी से उस जगह को खाली करना चाहिए।

IV रिक्त स्थानों को सही शब्दों से भरिए :

1. हम लोग इस शहर में एक **ईमानदार** सम्मेलन कर रहे हैं।
2. मेरी चपपले **गायब** थीं
3. वह मेरा चश्मा लगाये **इतमीनान** से बैठे थे।
4. फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी **गड़बड़ी** होगी ही।

V विलोम शब्द लिखिए :

1. आगमन X प्रस्थान
2. रात X दिन
3. जवाब X सवाल
4. बेचना X खरीदना
5. सज्जन X दुर्जन

VI. बहुवचन रुप लिखिए :

1. कपड़ा – कपड़े
2. चादर – चादरें
3. बात – बातें
4. डिब्बा – डिब्बे
5. चीज़ – चीज़ें

VII प्रेरणार्थक क्रिया रुप लिखिए :

1. ठहरना– ठहराना – ठहरवाना
2. धोना – धुलाना – धुलवाना
3. देखना – दिखाना – दिखवाना
4. लौटना- लौटाना – लौटवाना
5. उतरना- उतराना- उतरवाना
6. पहनना- पहनाना- पहनवाना

VIII. संधि-विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए :

1. स्वागत = सु + आगत = यण् संधि
2. सहानुभूति = सह + अनुभूति = दीर्घ संधि
3. सज्जन = सत् + जन = व्यंजन संधि
4. परोपकार = पर + उपकार = गुण संधि
5. निश्चिंत = नि: + चिंत = विसर्ग संधि

6. सदैव = सदा + एव = वृद्धि संधि

IX. **कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :**

1. हम आप को आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे।

उत्तर: ನಾವು ನಿಮಗೆ (ತಮಗೆ) ಬಂದು ಹೋಗುವ ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆಯ ಬಾಡಿಗೆ ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.

We will give first class up and down tickets fare for you.

2. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ।

उत्तर: ಸ್ಟೇಶನ್‌ನಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ದೂರಿ ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು.

I was given a very grand welcome in station.

3. देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए।

उत्तर: ನೋಡಿರಿ. ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದು ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು.

See, chappals should not be left in one place.

4. अब मैं बचा हूँ। अगर रूका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा।

उत्तर: ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದಿದ್ದೇನೆ. ಒಂದು ವೇಳೆ ನಿಂತರೆ ನಾನೇ ಕಳೆದುಹೋಗುತ್ತೇನೆ.

I am saved. If I will stay here I will be theft now. I

पाठ – 11 समाय की पहचान - सियारामशरण गुप्त

कविता का आशय :

'समय' अधिक महत्वपूर्ण तथा उपयोगी होता है। समय को जो अपना सच्चा साथी बना लेगा, वह अपने काम में सफल होगा। इस कविता में यह संदेश दिया गया है कि हमें काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए।

➢ कवि परिचयः सियारामशरण गुप्त

कवि सियारामशरण गुप्त का जन्म 4 सितंबर 1895 को मध्यप्रदेश के झाँसी के चिरगाँव में हुआ था। पिता का नाम सेठ रामचरण कनकने और माता का नाम कौशल्या बाई था। ये हिंदी के राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के अनुज थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद घर पर ही उन्होंने गुजराती, अंग्रेज़ी तथा उर्दू भाषा सीखी। 1929 में महत्मा गांधीजी के संपर्क में आकर वर्धा में रहे। उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- मौर्यविजय, अनाथ, विषाद, आर्द्रा, आत्मोत्सर्ग, मृण्मयी, बापू, नकुल आदि। दीर्घकालीन साहित्य सेवा के लिए उन्हें नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी द्वारा सुधाकर पदक प्रदान किया गया। लंबे समय की बीमारी 1. के कारण 29 मार्च 1963 में इनका निधन हुआ।

➢ शब्दार्थ :

उद्योगी - परिश्रमी, मेहनती; सौख्य-सुख , आलस-आलस्य, कामचोरी; बहाना - बात टालना, नाम मात्र का कारण ; द्रव्य-धन, पदार्थ, सामग्री; अनुपम - अनोखा, बेजोड़, उपमा विहीन ; तुच्छ-छोटा, क्षुद्र, निस्सार, अल्प; पल-क्षण, चित्त-मन, ध्यान, अंतःकरण ; विश्वास-भरोसा, यकीन; सुसमय - अच्छा समय, उत्तम अवसर; खोना - गँवाना, सर्वथा - सदा, हमेशा।

➢ कविता का भावार्थ :

1) उद्योगी को कहाँ नहीं सुसमय मिल जाता,

समय नष्ट कर कहीं सौख्य कोई भी पाता।

समय सबसे बड़ी संपति है। इसका महत्त्व धन से भी ज्यादा है। परिश्रमी व्यक्ति समय का हमेशा सदुपयोग करते हैं। वे आलस नहीं करते। उन्हें पता है कि अगर समय को व्यर्थ जाने दिया तो यह लौटकर नहीं आयेगा। समय को नष्ट करने से कभी सुख नहीं मिलता।

ಸಮಯವು ಎಲ್ಲಕ್ಕಿಂತಲೂ ದೊಡ್ಡ ಸಂಪತ್ತು. ಇದರ ಮಹತ್ವ ಹಣಕ್ಕಿಂತಲೂ ಹೆಚ್ಚಿನದು. ಪರಿಶ್ರಮಿಗಳು ಸಮಯದ ಸದುಪಯೋಗವನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾರೆ. ಆಲಸಿತನ ಮಾಡುವುದಿಲ್ಲ. ಸಮಯ ವ್ಯರ್ಥ

ಮಾಡಿದರೆ ಮತ್ತೆ ಮರಳಿ ಬರಲಾರದು ಎಂದು ಅವರು ತಿಳಿದಿರುತ್ತಾರೆ. ಸಮಯ ವ್ಯರ್ಥ ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಯಾವತ್ತು ಸುಖ ಸಿಗುವುದಿಲ್ಲ.

2) आलस ही यह करा रहा है सभी बहाने,

जो करना है, करो अभी, कल हो क्या जाने?

आलस मनुष्य से बहाने करवाता है। आलस मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी है। आलस्यवश जल्दी सोना, देर से उठना, दोस्तों से व्यर्थ की बातों में समय खराब करना आदि बातें समय को नष्ट करने के समान है। इसलिए जो भी करना है उसे तुरंत करना चाहिए। कल के लिए नहीं छोड़ना चाहिए। कल का क्या भरोसा।

ಆಲಸಿತನ ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ನೆಪ ಹೇಳಿಸುತ್ತದೆ. ಆಲಸ್ ಅವು ಮನುಷ್ಯನ ಬಹುದೊಡ್ಡ ಮೈಗಳ್ಳತನವಾಗಿದೆ. ಆಲಸಿಯು ಜಲ್ದಿ ಮಲಗುತ್ತಾನೆ, ತಡವಾಗಿ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ಗೆಳೆಯರೊಂದಿಗೆ ವ್ಯರ್ಥ ಮಾತುಗಳಿಂದ ಸಮಯ ವ್ಯರ್ಥ ಮಾಡುತ್ತಾನೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಏನು ಮಾಡಬೇಕಾಗಿದೆಯೋ ಅದನ್ನು ಈಗಲೇ ಮಾಡಿಬಿಡಬೇಕು. ಸಮಯಕ್ಕಾಗಿ ಎಂದು ಕಾಯಬಾರದು. ನಾಳಿನದು ಏನು ಬರವಸೆ ಇದೆ.

3) पा सकते फिर नहीं कभी तुम इसको खोके

चाहो तुम क्यों नहीं चक्रवर्ती भी होके।

अगर धन खर्च हो जाए तो पुनः कमा सकते हैं। लेकिन गुजरा समय कभी वापस नहीं आता। आप कितने भी शक्तिशाली हो या चक्रवर्ती ही क्यों न हो, बीते समय को फिर से नहीं प्राप्त कर सकते।

ಒಂದು ವೇಳೆ ಹಣ ಖರ್ಚು ಮಾಡಿದರೆ ಪುನಃ ಗಳಿಸಬಹುದು. ಆದರೆ ಕಳೆದು ಹೋದ ಸಮಯ ಎಂದು ಮರಳಿ ಬಾರದು. ನೀವು ಎಷ್ಟೇ ಬಲಶಾಲಿಯಾಗಿದ್ದರು. ಚಕ್ರವರ್ತಿಯೇ ಆಗಿದ್ದರು. ಕಳೆದ ಸಮಯವನ್ನು ಮರಳಿ ಪಡೆಯಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ.

4) कर सकता कब कौन द्रव्य है इसकी समता,

फिर भी तुमको नहीं जरा है इसकी चिंता॥

समय की बराबरी धन से नहीं की जा सकती और न ही इसे धन से पुनः प्राप्त किया जा सकता है। समय इतना कीमती होने पर भी हम इसे व्यर्थ जाने देते है और किसी प्रकार की चिंता नहीं करते।

ಸಮಯವನ್ನು ಹಣದಿಂದ ಅಳೆಯಲಾಗದು. ಹಣದಿಂದ ಮರಳಿ ಪಡೆಯಲಾಗದು ಸಮಯಕ್ಕೆ ಬಾಳಷ್ಟು ಅಮೂಲ್ಯವಾದದ್ದು. ಆದರೂ ನಾವು ಅದನ್ನು ಅರ್ಥ ಮಾಡುತ್ತೇವೆ. ಸಮಯದ ಕುರಿತು ಯಾವುದೇ ತರನಾದ ಚಿಂತೆಯೂ ಕೂಡ ನಾವು ಮಾಡುವುದಿಲ್ಲ.

5) समय ईश का दिया हुआ अति अनुपम धन है,

यही समय ही अहो तुम्हारा शुभ जीवन है।

समय भगवान की दी हुयी अनमोल संपदा है। हमें इसकी कीमत पहचान कर अपने जीवन को

सँवारना चाहिए। यह समय ही हमारे जीवन का निर्माण करता है।

ಸಮಯ ಭಗವಂತನು ನೀಡಿದ ಅತ್ಯಮೂಲ್ಯ ಸಂಪತ್ತು. ನಾವು ಅದರ ಬೆಲೆ ತಿಳಿದು, ಅದನ್ನು ನಮ್ಮ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಮಯವೇ ನಮ್ಮ ಜೀವನ ನಿರ್ಮಾಣ ಮಾಡುವುದು.

6) तुच्छ कभी तुम नहीं एक पल को भी जानो,

पल-पल से ही बना हुआ जीवन को मानो॥

हमें एक एक क्षण का उपयोग करना चाहिए। एक क्षण भी व्यर्थ नहीं समझना चाहिए। हमारा जीवन एक एक पल से ही निर्मित होता है।

ನಾವು ಒಂದೊಂದು ಕ್ಷಣಕ್ಷಣವೂ ಉಪಯೋಗಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.ಒಂದು ಕ್ಷಣವೂ ವ್ಯರ್ಥ ಮಾಡಬಾರದು. ನಮ್ಮ ಜೀವನವು ಒಂದೊಂದು ಕ್ಷಣದಿಂದ ನಿರ್ಮಾಣವಾಗಿದೆ.

7) करना है जो काम, उसी में चित्त लगा दो,

आत्मा पर विश्वास करो, संदेह भगा दो॥

अपने ऊपर आत्मविश्वास रखकर जिस काम में भी हाथ डालो उसे पूरे मन से करो। किसी भी प्रकार का संदेह मन में मत रखो।

ನಾವು ಸಮಯದ ಮೇಲೆ ಆತ್ಮವಿಶ್ವಾಸವಿತ್ತು. ಯಾವುದೇ ಕೆಲಸದಲ್ಲಿ ನಾವು ಕೈಹಾಕಿದರು ಪೂರ್ಣಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ಮಾಡಬೇಕು. ಮನಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ಯಾವುದೇ ರೀತಿಯ ಸಂದೇಹಗಳಿರಬಾರದು.

8) ऐसा सुसमय भला और कब तुम पाओगे,

खोकर पीछे इसे सर्वथा पछताओगे ॥

इस प्रकार उचित समय को गँवाना नहीं चाहिए क्योंकि अगर इसे एक बार गँवा दिया तो फिर इसे आप कभी प्राप्त नहीं कर सकेंगे। समय निकल गया तो बहुत पछताओगे

ಈ ತರನಾಗಿ ವ್ಯರ್ಥ ಸಮಯ ಕಳೆಯಬಾರದು. ಯಾಕೆಂದರೆ ಅವನು ನಾವು ಒಂದು ಸಲ ಕಳೆದುಕೊಂಡರೆ ಮತ್ತೆ ನಮಗೆ ಅದು ಎಂದು ಪ್ರಾಪ್ತವಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಸಮಯ ಕಳೆದುಕೊಂಡ ಮೇಲೆ ಪಶ್ಚಾತಾಪ ಪಡಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ.

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. **कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नहीं मिलता?**

   उत्तर: कवि के अनुसार समय को नष्ट करने से सुख नही मिलता।

2. **बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?**

   उत्तर: बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है।

3. **समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?**

उत्तर: समय भगवान (ईश) का दिया हुआ अनुपम धन है।

4. **कवि किस पर विश्वास करने को कहते हैं ?**

उत्तर: कवि आत्मा (अपने आप) पर विश्वास करने को कहते है।

5. **समय के खोने से क्या होता है ?**

उत्तर: समय के खोने से हमेशा पछताना पडता है ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. **मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?**

उत्तर: मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति तब संभव है जब वह समय का सदुपयोग करता है। काम के समय को बहाने करके नहीं टालता है। समय का नष्ट न करके सुसमय पर जो काम करना है, उसे मन लगाकर करता है। ऐसे मनुष्य को ही जीवन में सुख की प्राप्ति होती है।

2. **समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?**

उत्तर: एक पल को भी व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। एक-एक पल से ही जीवन बनता है। इसलिए काम कोई भी हो उसे बिना किसी बहाने बनाये उसी समय पूरा मन लगाकर करना चाहिए। आलस्य त्याग कर, समय को अमूल्य धन मानकर कार्य करने से जीवन सफल होता है। हमें काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए।

3. **कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते हैं ?**

उत्तर: कवि के अनुसार, अपनेआप पर विश्वास रखकर जो भी काम हम करें, उसे पूरी लगन के साथ करें। हमें काम करने का अच्छा अवसर प्राप्त होता है। उसे व्यर्थ जाने नहीं देना है। समय को खोकर मनुष्य सुखी नहीं रह पाता। उसे हमेशा पछताना पडता है।

4. **कविता के अंतिम चारपंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते हैं ?**

उत्तर:कवि के अनुसार, अपने आप पर विश्वास रखकर जो भी काम हम करें, उसे पूरी लगन के साथ करें। हमें काम करने का अच्छा अवसर प्राप्त होता है। उसे व्यर्थ जाने नहीं देना है। समय को खोकर मनुष्य सुखी नहीं रह पाता। उसे हमेशा पछताना पडता है।

III. निम्नलिखित शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(सर्वथा, चक्रवर्ती, करो अभी, शुभ)

1. जो करना है, करो अभी कल हो क्या जाने ?

2. चाहो तुम क्यों नहीं **चक्रवर्ती** भी होके।
3. यही समय ही अहो तुम्हारा **शुभ** जीवन है।
4. खोकर पीछे इसे **सर्वथा** पछताओगे।

IV. अनुरूपताः

1. आलस : परिश्रम :: नष्ट : ——- **लाभ**
2. जानो : मानो :: लगा दो : — **भगा दो**
3. धन : निर्धन :: दिया : —— **लिया**
4. जीवन : मरण :: खोना : —— **पाना**

V. जोडकर लिखिएः

अ	ब	Ans
1. उद्योगी	1. सुख	**1. उद्योगी सुसमय**
2. आलस	2. अनुपम धन	**2. आलस बहाना**
3. जीवन	3. समता	**3. जीवन पल-पल**
4. समय	4. बहाना	**4. समय अनुपम धन**
5. द्रव्य	5. बहाना	**5. द्रव्य समता**
	6. पल-पल	

VI. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए :

उदाः जाता – पाता

1. बहाने – नहाने
2. समता – क्षमता
3. धन – मन
4. लगा दो – मिला दो
5. जानो – मानो
6. पाओगे – खोओगे

VII. नीचे दिये गए शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए :

1. चकरवरती – चक्रवर्ती
2. चिता – चिंता
3. नश्ट – नष्ट
4. अलास – आलस
5. सरवथा – सर्वथा
6. समय – संयम

कोशिश एक कदम आगे..

VIII. **उदाहरण के अनुसार शब्द लिखिए :**

उदाः समय – सुसमय

1. पुत्र – सुपुत्र
2. फल – सुफल
3. मन – सुमन
4. योग्य – सुयोग्य
5. यश – सुयश
6. नाद – सुनाद
7. मति सुमति

IX. अपने अध्यापक की सहायता से इसे पूर्ण कीजिए:

1. एक पहर – तीन
2. एक दिन – चौबीस
3. एक सप्ताह – सात
4. एक पक्ष – पंद्रह
5. एक मास – तीस दिन
6. एक साल – तीन सौ पैंसठ – दिन

X. **तालिका में महीनों का नाम लिखिए और 30 दिन आनेवाले महीनों में हरा रंग, 31 आनेवाले महीनों में पीला रंग, 28/29 आनेवाले महीने में लाल रंग भरिए:**

जनवरी – 31	मई – 31	सितंबर – 30
फरवरी – (28/29)	जून – 30	अक्तूबर – 31
मार्च – 31	जुलै – 31	नवंबर – 30
अप्रैल – 30	अगस्त – 31	दिसंबर – 31

दसवीं कक्षा

कोशिश
एक कदम आगे...
अध्ययन सामग्री

ಸಂಪಾದಕರು:

ಡಾ. ಎನ್ ದೇವರಾಜ್
ಎಮ್.ಎ, ಎಮ್.ಎಡ್, ಪಿಎಚ್.ಡಿ, ಎಮ್.ಬಿ.ಎ
ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು
ಮೊರಾರ್ಜಿ ದೇಸಾಯಿ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಸಾಮಾನ್ಯ)
ಚಾಮರಾಜಪೇಟೆ ಬೆಂಗಳೂರು -18 560 026
ಮೊ. ನಂಬರ : 9449214660

ಶ್ರೀ ಬಸವರಾಜ ಭೂತಿ
ಎಮ್. ಎ, ಬಿ.ಎಡ್
ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು
ಕಿತ್ತೂರು ರಾಣಿ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಪ.ಪಂ) ಬೇವಿನಹಳ್ಳಿ
ಕ್ರಾಸ್, ಶಹಾಪುರ. ಜಿಲ್ಲಾ ಯಾದಗಿರ. 585 223
ಮೊ. ನಂಬರ : 9900804567

ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ ಈ ಬ್ಲಾಗಿಗೆ ಭೇಟಿ ನೀಡಿ
bhootibasu.blogspot.com

पाठ – 13 महिला की साहसगाथ

पाठ का आशय :

इस पाठ से बच्चे साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीखते हैं। इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं। यह पाठ सिद्ध करता है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है।'

शब्दार्थ :

- चोटी - शिखर,
- जज़्बा - हौसला,
- दौरान - उस समय,
- झंडा - ध्वज;
- तंबू - शामियाना,
- कर्मठता - काम करने की शक्ति का
- आरोहण – चढ़ना , बगैर - बिना,
- फावड़ा - खुदाई का साधन,
- नज़दीक - पास,
- रज्जु - रस्सी
- इस्तेमाल - उपयोग,

➢ ಮಹಿಳೆಯ ಸಾಹಸದ ಕಥೆ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸಾರಾಂಶ :

ಬಿಛೇಂದ್ರಿ ಪಾಲ್ ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರ ಹತ್ತಿದ ಪ್ರಥಮ ಭಾರತೀಯಳು. ತಂದೆಯ ಹೆಸರು ಕಿಶನ್ ಪಾಲ್ ಮತ್ತು ತಾಯಿಯ ಹೆಸರು ಹಂಸಾದೇಯಿ ನೇಗಿ, ಅವರದು ಮಧ್ಯಮ ವರ್ಗದ ಕುಟುಂಬ. ಬಿಛೇಂದ್ರಿ ಪಾಲ್‌ರವರು ಚಿಕ್ಕಂದಿನಲ್ಲೇ ಪರ್ವತಾರೋಹಣದ ತರಬೇತಿ ಪಡೆದರು. ಪರ್ವತಾರೋಹಣದ ಶಿಕ್ಷಣದ ಜೊತೆ ಜೊತೆಗೆ ಬಟ್ಟೆ ಹೊಲೆಯುವ ಕೆಲಸವನ್ನೂ ಮಾಡಿ ತಮ್ಮ ಶಿಕ್ಷಣಕ್ಕೆ ಬೇಕಾದ ಹಣ ಸಂಪಾದಿಸಿದರು. ಸಂಸ್ಕೃತ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಎಂ.ಎ. ಬಿ.ಎಡ್. ಪದವಿ ಮುಗಿಸಿದರು.

ಪರ್ವತಗಳ ಶಿಖರವನ್ನು ಏರುವುದು ಅವರ ಸವಾಗಿತ್ತು. ಕಾಲಾನಾಗ್ ಗಂಗೋತ್ರಿ ಹಿಮಪರ್ವತ ಮತ್ತು ರೋಡ್ ಗೇರೋ ಪರ್ವತಗಳನ್ನು ಅತ್ಯಂತ ಆತ್ಮ ಸದಿಂದ ಹತ್ತಿದರು, ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರ ಹತ್ತಿದ ಪ್ರಥಮ ಪುರುಷ ಖ್ಯಾತಿಯ ತೇನ್ಸಿಂಗ್ ನೋರ್ಗೆ ಅವರಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತರಾದರು. ಬಿಛೇಂದ್ರಿಪಾಲ್‌ರವರು 23ನೇ ಮೇ 1984 ರಂದು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರವನ್ನು ಏರಿ ಭಾರತದ ತ್ರಿವರ್ಣ ಬಾವುಟವನ್ನು ಹಾರಿಸಿದರು. ಅವರೊಂದಿಗೆ ಆ ಅನುಪಮ ಕ್ಷಣದಲ್ಲಿ ಸಹ ಪರ್ವತಾರೋಹಿ ಅಂಗ ದೊರಜಿರವರು ಕೂಡ ಇದ್ದರು.

ಈ ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರಾರೋಹಣ ರೋಚಕವಾಗಿತ್ತು. ಅನೇಕ ಕಷ್ಟಗಳನ್ನು ಎದುರಿಸಿ 23ನೇ 1984 ರ ಮಧ್ಯಾಹ್ನ ಎರಡು ಗಂಟೆ ಏಳು ನಿಮಿಷಕ್ಕೆ ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರ ತಲುಪಿದ ಪ್ರಥಮ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆ ಎಂಬ ಖ್ಯಾತಿ ಪಡೆದರು. ಕರ್ನಲ್ ಖುಲ್ಲರ್ ಅವರನ್ನು ಭಾರತದ ಹೆಮ್ಮೆಯ ಪುತ್ರಿ ಎಂದು ಶ್ಲಾಘಿಸಿ ಅಭಿನಂದಿಸಿದರು.

ಬಿಛೇಂದ್ರಿ ಪಾಲ್‌ರವರನ್ನು ಅವರ ಅಪ್ರತಿಮ ಸಾಧನೆಗಾಗಿ, ಈ ಭಾರತೀಯ ಪರ್ವತಾರೋಹಣ ಸಂಘ ಗೌರವಿಸಿತು. ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರದಿಂದ ಪದ್ಮಶ್ರೀ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ದೊರೆಯಿತು. ಇದರೊಂದಿಗೆ ಅರ್ಜುನ ಪ್ರಶಸ್ತಿಯಿಂದಲೂ ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು. ಇದರಿಂದ ಮಹಿಳೆಯರೂ ಸಹಾ ಸಾಹಸಪ್ರಿಯರು ಎಂಬುದು ಸಾಬೀತಾಗುತ್ತದೆ.

I. **एक वाक्य में उत्तर लिखिए :**

1. बिछंद्री पाल को कौन-सा गौरव प्राप्त हुआ है ?

उत्तर: बिछंद्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढनेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त है।

2. बिछंद्री के माता-पिता कौन थे ?

उत्तर: बिछंद्री की माता हंसादेई नेगी और पिता किशनपाल सिंह थे।

3. बिछंद्री ने क्या निश्चय किया ?

उत्तर:बिछंद्री ने निश्चय किया कि वह अपने भाई जैसे पहाड़ों पर चढ़ेगी।

4. बिछंद्री ने किस ग्लेशियर पर चढाई की ?

उत्तर: बिछंद्री ने गंगोत्री ग्लेशियर पर चढाई की।

5. सन् 1983 में दिल्ली में कौन-सा सम्मेलन हुआ था ?

उत्तर: सन् 1983 में दिल्ली में हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन हुआ।

6. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे ?

उत्तर:एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ पर्वतारोही अंगदोरजी थे।

7. कर्नल का नाम क्या था ?

उत्तर: कर्नल का नाम खुल्लर था।

8. ल्हाटू कौन-सी रस्सी लाया था ?

उत्तर: ल्हाटू नायलॉन की रस्सी लाया था।

9. बिछंद्री ने थैले से कौन-सा चित्र निकाला ?

उत्तर: बिछंद्री ने थैले से दुर्गा माँ का चित्र निकाला।

10. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछंद्री से क्या कहा ?

उत्तर: कर्नल ने बधाई देते हुए बिछंद्री से कहा देश को तुम पर गर्व है।

11. मेजर का नाम क्या था ?

उत्तर: मेजर का नाम कुमार था।

12. बिछंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन-सा पदक देकर सम्मान किया ?

उत्तर: बिछंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने स्वर्णपदक देकर सम्मान किया।

II. **दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :**

1. **बिछंद्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए।**
   उत्तर: बिछेदी का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था। पिता किशनपाल सिंह तथा माता हंसादेई नेगी की पाँच संतानों में बिकेंद्री तीसरी संतान है।
2. **बिछंद्री का बचपन कैसे बीता ?**
   उत्तर: बिछंद्री का बचपन संघर्षमय था। उसे रोज पाँच किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। सिलाई काम सीखा और सिलाई करके पढाई का खर्चा जुटाया। इस तरह संस्कृत में एम.ए. तथा बी.एड. तक की शिक्षा प्राप्त की।
3. **बिछंद्री ने पर्वतारोहण के लिए किन-किन चीजों का उपयोग किया ?**
   उत्तर: बर्फ काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल किया। चढ़ाई चढ़ने के लिए नायलॉन की रस्सी का उपयोग किया। इनके अलावा ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर का भी उपयोग किया।
4. **एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछंद्री ने क्या किया?**
   उत्तर: एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछंद्री ने खुद के लिए स्थान सुरक्षित किया। अपने घुटनों के बल बैठी। बर्फ को अपने माथे लगाकर सागरमये का ताज का चुंबन लिया। बाद में हनुमान चालीसा और माँ दुर्गा की पूजा, की।

III. **चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए:**

1. **बिछंद्री ने पहाड़ पर चढने की तैयारी किस प्रकार की ?**
   उत्तर: बिकेंद्री ने पहाड़ पर चढने के लिए दो दल बनाए गए। सुबह हल्का नाश्ता करने के बाद साढे पाँच बजे तंबू से निकल पडे। अंग दोरजी के साथ बगैर रस्सी के ही चढाई की। वहाँ जमी हुई बर्फ काटने के लिए फावडे का इस्तेमाल किया। कभी नायलॉन रस्सी के सहारे चढाई की। ऑक्सीजन की आपूर्ति रेगुलेटर पर बढाकर कठिन चढाई आसान बनाई।
2. **दक्षिणी शिखर पर चढते समय बिछंद्री के अनुभव के बारे में लिखिए।**
   उत्तर: बजेंद्री ने अंग दोरजी के साथ सुबह के नाश्ते के बाद चढ़ाई प्रारंभ की। शुरू में बिना रस्सी के ही चढ़ाई की। बर्फ काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल भी करना पड़ा क्योंकि बर्फ सीधी, और ढलाऊ चट्टाने थी। आगे की चढ़ाई नायलॉन की रस्सी के सहारे की। दक्षिणी शिखर के ऊपर तेज हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ के कणों को चारो तरफ उड़ा रहे थे। उसने देखा कि थोडी दूर तक कोई ऊँची चढ़ाई नहीं है। ढलान एकदम सीधी नीची चली गई थी। उसकी साँस एकदम रुक गई थी। उसको लगा कि सफलता बहुत

नज़दीक है।

3. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर: इस पाठ से बच्चे साहस गुण, दृढ़-निश्चय, अथक परिश्रम, मुसिबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीख सकते हैं। यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुछ कम नहीं है। दृढ़-निश्चय, साहस, धैर्य द्वारा लक्ष्य प्राप्त करने का तत्व समझते हैं।

IV. **जोडकर लिखिए :**

अ	ब
1. गंगोत्री ग्लेशियर की चढाई	सन् 1982
2. पर्वतारोहियों को सम्मेलन	सन् 1983
3. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना	सन् 1984

VI. **स्त्रीलिंग शब्द लिखिए:**

पुल्लिंग – स्त्रीलिंग

बाप – माँ

पुरुष – स्त्री

भाई – बहन

बेटा – बेटी

श्रीमान – श्रीमती

VII. **उदाहरण के अनुसार लिखिए:**

पढ + आई = पढाई

चढ + आई = चढाई

कढिन + आई = कठिनाई

ऊँचा + आई = ऊँचाई

बढ + आई = बढाई

VIII. **अन्य वचन लिखिए :**

चट्टान – चट्टाने

रस्सी – रस्सियाँ

शीशा – शीशे

चोटी – चोटियाँ

चादर – चादरे

IX. **विलोम शब्द लिखिए:**

आरोहण × अवरोहण

चढना × उतरना

ठंडा × गरम

परिश्रम × विश्राम

सामने × पीछे

X. **समानार्थक शब्द लिखिए :**

उदा : पहाड = गिरि, पर्वत

चोटी = शिखर, शिखा

XII. **अनेक शब्द के लिए एक शब्द दिये गये |**

सुबह = प्रभात, भोर

महिला = स्त्री, नारी

नजदीक = समीप, पास

XI. निम्न शब्दों में विशेषण तथा संज्ञा शब्दों को अलग-अलग कीजिए :

शब्द संज्ञा विशेषण उदा :

ऊँचा पर्वत – पर्वत ऊँचा

मधुर स्वर – स्वर मधुर

कर्कश आवाज – आवाज कर्कश

वडा साधु – साधु बडा

ठंडी हवा – हवा ठंडी

नायलॉन रस्सी – रस्सी नायलॉन

हैं, ढूंढकर लिखिए :

उदा : जो पढ़ा लिखा न हो – अनपढ़

जहाँ पहुँचा न जा सके – दुर्गम

मास में एक बार आनेवाला – मासिक

जो कभी न मरे – अमर

अच्छे चरित्रवाला – सच्चरित्र

जो आँखों के सामने हो – प्रत्यक्ष

जो स्थिर रहे – स्थाई

जिसे क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य

जो वन में घूमता हो – वनचर

जिसका संबंध पश्चिम से हो – पाश्चात्य

जो उपकार मानता हो – कृतज्ञ

XIII. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1. बिछंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था।
   उत्तर: Bichendri was born is a middle class family.
   ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನನ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಪರಿವಾರ ದಲ್ಲಿ ಆಯಿತು.
2. बिछंद्री को रोज पैदल चलकर स्कूल जाना पडता था।
   उत्तर: Bichendrl was going to school by walk every day.
   ಬಿಛೇಂದ್ರಿರವರು ಪ್ರತಿದಿನ ಶಾಲೆಗೆ ನಡೆದು ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು
3. दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी।
   उत्तर: velocity of the wind was high in the southern peak.
   ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ರಭಸ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.
4. मुझे लगा कि सफलता बहुत नजदीक है।
   उत्तर: I felt that success was very near.
   ಸಫಲತೆ ತುಂಬಾ ಸಮೀಪದಲ್ಲಿದೆ ಎಂದು ನನಗೆ ಅನಿಸಿತು.
5. मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी।
   उत्तर: I was the first Indian woman to reach the peak of everest.
   ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರ ತಲುಪಿದ ಮೊದಲ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆಯಾಗಿದ್ದೆ.

पाठ – 14 सूर– श्याम - सूरदास

- **पद का आशय :**

बच्चे स्वभाव से भोले होते है। वे हमेशा अपने माता-पिता से अपने भाई, बहन और मित्रों की कुछ-न-कुछ शिकायत करते रहते हैं। उनका बाल सहज स्वभाव देखकर बड़ों को हँसी आती है और उन्हें पुचकारकर सांत्वना देते हैं। माँ और बेटे के ऐसे सहज संबंध की कल्पना कर सूरदास जी ने अपने इस पद में उसका मार्मिक चित्रण किया है

- **सूरदास (सन् 1540-1642)**

भक्त कवि सूरदास हिंदी साहित्याकाश के सूर्य माने जाते हैं। इन्हें भक्तिकाल की सगुण भक्तिधारा की कृष्णभक्ति-शाखा के प्रवर्तक माना जाता है। इनका जन्म उत्तर प्रदेश के रुनकता गाँव में सन् 1540 को हुआ था। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- 'सूर सागर', 'सूर सारावली' एवं 'साहित्यलहरी' । इनकी मृत्यु सन् 1642 को हुई। इनके काव्यों में वात्सल्य, श्रृंगार तथा भक्ति का त्रिवेणी संगम हुआ है।

- **शब्दार्थ :**

- मैया-माँ,
- मोहिं-मुझे,
- दाऊ-भैय्या (बलराम),
- खिझाना-चिढ़ाना,
- मोसों-मुझसे,
- मोल-मूल्य,
- दाम; तोहि-तुझे,
- जसुमति-जसोदा, यशोदा;
- जायो- जन्म दिया,
- रिस- क्रोध,
- के मारे-के कारण,
- तुमरो-तुम्हारे,
- तात-पिता,
- कत- क्यों,
- स्याम-काला,
- ग्वाल-गोपालक,
- सिखै-सिखाना,
- बलभद्र-बलबीर, बलराम;
- कान्ह-कृष्ण,
- चबाई-पीठ पीछे बुराई करनेवाला, चुगलखोर;
- जनमत ही को - जन्म से ही,
- धूत -दुष्ट,
- लखि-देखकर,
- सौं-कसम, सौगंध; हौं-मैं,
- पूत-पुत्
- रीझै- मोहित होना,
- सुनहु-सुनो

ಸಾರಾಂಶ:

ಈ ಪದ್ಯದಲ್ಲಿ ಕವಿ ಸೂರದಾಸರು ಕೃಷ್ಣನ ಬಾಲಲೀಲೆಯ ವರ್ಣನೆಯನ್ನು ಮಾಡುತ್ತ ಆತನ ಸ್ವಭಾವ, ಮುಗ್ಧತೆ ಮತ್ತು ತಾಯಿ ಯಶೋಧೆಯ ವಾತ್ಸಲ್ಯದ ಸುಂದರ ಚಿತ್ರಣವನ್ನು ಚಿತ್ರಿಸಿದ್ದಾರೆ.

ಇಲ್ಲಿ ಬಾಲಕೃಷ್ಣನು ಅಣ್ಣ ಬಲರಾಮನ ಬಗ್ಗೆ ದೂರನ್ನು ತಾಯಿಗೆ ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದಾನೆ. ಅಣ್ಣನು ನನ್ನನ್ನು ತುಂಬ ಛೇಡಿಸುತ್ತಾನೆ ಹಾಗೂ ಕಾಡಿಸುತ್ತಾನೆ. ಯಶೋಧಾ ಮಾತೆಯು ನನಗೆ ಜನ್ಮ ನೀಡಿಲ್ಲವಂತೆ, ಆದರೆ ಅವಳು ನನ್ನನ್ನು ಕೊಂಡುಕೊಂಡಿದ್ದಾಳಂತೆ. ಇದೇ ಕೋಪದ ಕಾರಣದಿಂದ ಆತನ ಸಂಗಡ ನಾನು ಆಡಲು ಹೋಗುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ಕೃಷ್ಣನು ಯಶೋಧಾ ಮಾತೆಗೆ ಹೇಳ ನಿನ್ನ ತಂದೆ

ತಾಯಿ ಯಾರು ? ಎಂದು ಮೇಲಿಂದ ಕೇಳುತ್ತಾನೆ. ಆತನು ನಂದ ಮತ್ತು ಯಶೋದಾ ಬಿಳಿಯ ಬಣ್ಣದವರು ಆದರೆ ನಿನ್ನ ಶರೀರವೇಕೆ ಕಪ್ಪುಗಿದೆ ? ಎಂದೂ ಕೇಳುತ್ತಾನೆ. ಆತನು ಇಂತಹ ನಗು-ಚೇಷ್ಟೆ ಕೇಳಿ ನನ್ನ ಎಲ್ಲ ಗೆಳೆಯರು ಲಟಿಕೆ ಹೊಡೆದು ಹೊಡೆದು ನಗುತ್ತಾರೆ. ಅವರಿಗೆ ಬಲರಾಮನೇ ಹೀಗೆ ಮಾಡಲು ಕಲಿಸಿದ್ದಾನೆ ಎಂದು ಕೃಷ್ಣನು ತಾಯಿ ಯಶೋಧೆಗೆ ದೂರು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ.

ಅಮ್ಮಾ, ನೀನು ಕೇವಲ ನನಗೇ ಹೊಡೆಯುವುದನ್ನು ಕಲಿತಿರುವೆ ಮತ್ತು ಅಣ್ಣನ ಮೇಲೆ ಎಂದಿಗೂ ಸಿಟ್ಟು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ತಾಯಿ ಯಶೋಧೆಗೆ ಕೃಷ್ಣನು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ತನ್ನ ಅಣ್ಣನ ಬಗ್ಗೆ ಸಿಟ್ಟಾಗಿರುವ ಮತ್ತು ಗೆಳೆಯರಿಂದ ಅಪಮಾನಿತನಾದ ಕೃಷ್ಣನ ಕೋಪ ತುಂಬಿದ

ಮುಖ ಕಂಡು ಆತನ ಮಾತುಗಳನ್ನು ಕೇಳಿ ಯಶೋಧಾ ಆನಂದಿತಳಾಗುತ್ತಾಳೆ. ಕೃಷ್ಣನೇ ಕೇಳು ಬಲರಾಮನು ಹುಟ್ಟಿನಿಂದಲೇ ದುಷ್ಟನಾಗಿದ್ದಾನೆ. ನಾನು ಗೋವುಗಳ ಆಣೆಯಾಗಿಯೂ ಹೇಳುತ್ತೇನೆ. ನಾನೇ ನಿನ್ನ ತಾಯಿ ಮತ್ತು ನೀನು ನನ್ನ ಮಗನು ಎಂದು ತಾಯಿ ಶೋಧೆಯು ಕೃಷ್ಣನಿಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾಳೆ. ಈ ಪದ್ಯದಲ್ಲಿ ಸೂರದಾಸರು ಬಾಲಕೃಷ್ಣನ ಮುಗ್ಧತನ ಮತ್ತು ಯಶೋಧಾಳ ವಾತ್ಸಲ್ಯದ ಮಾರ್ಮಿಕ ಚಿತ್ರಣವನ್ನು ನೀಡಿದ್ದಾರೆ.

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. **सूर-श्याम पद के रचयिता कौन हैं ?**
   उत्तर: सूर-श्याम पद के रचयिता सूरदास हैं।
2. **कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है ?**
   उत्तर: कृष्णा की शिकायत भाई बलराम के प्रति हैं।
3. **यशोदा और नंद का रंग कैसा था ?**
   उत्तर: यशोदा और नंद का रंग गोरा था।
4. **चुटकी दे-देकर हँसनेवाले कौन थे ?**
   उत्तर: चुटकी दे-देकर हँसनेवाले सब ग्वाला मित्र थे ।
5. **यशोदा किसकी कसम खाती है ?**
   उत्तर: यशोदा गोधन की कसम खाती है।
6. **बालकृष्ण किससे शिकायत करता है ?**
   उत्तर: बालकृष्ण माता यशोदा से शिकायत करता है।
7. **बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है ?**
   उत्तर: बलराम के अनुसार कृष्ण को मोल लिया गया है।
8. **बालकृष्ण का रंग कैसा था ?**
   उत्तर: बालकृष्ण का रंग काला था।

II. **दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:**

1. **कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता?**

   उत्तर: भाई बलराम कृष्ण को बहुत चिढाता था कि यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। उसके माता पिता कौन हैं ? उसका रंग काला क्यों है? इसी गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं आना चाहता था।

2. **बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है ?**

   उत्तर: बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है कि – उसके माता पिता कौन हैं ? नंद और यशोदा तो गोरे हैं प कृष्ण का रंग क्यों काला हा? माता-पिता ने उसे मोल लिया है।

3. **कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज है?**

   उत्तर: कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति इसलिए नाराज है कि – माँ ने केवल कृष्ण को ही मारना सीखी है। वह भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती है।

4. **बालकृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायतें करता है?**

   उत्तर: बालकृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि – "मुझे भैया बहुत चिढ़ाता है। तू मोल का लिया हुआ है, यशोदा का पुत्र नहीं है। तुम्हारे माता-पिता कौन हैं? नंद-यशोदा तो गोरे हैं, तू काला कैसे है? माँ, तू केवल मुझे ही मारती है, बलदाऊ को डाँटती तक नहीं। इसकी हँसी-मजाक सुनकर सब ग्वाल मित्र चुटकी बजाकर मुझ पर हँसते हैं।"

5. **यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ?**

   उत्तर: यशोदा माता कृष्ण से कहती है कि हे कृष्ण। सुनो। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हैं, मैं ही तेरी माता और तुम मेरे पुत्र हो। इस प्रकार यशोदा कृष्ण के क्रोध को शांत करती है।

III. **चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए:**

1. **पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।**

   उत्तर: कृष्ण अपनी माँ से शिकायत करता है कि भाई उसे बहुत चिढाता है कि यशोदा माँ ने उसे जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी गुस्से के कारण कृष्म बलराम के साथ खेलने नहीं जाता। वह बार बार कृष्ण से पूछता है कि उसके माता पिता कौन हैं ? नंद और यशोदा तो गोरे हैं लेकिन उसका रंग क्यों काला है ? बलराम की ऐसी हँसी-मजाक सुनकर

कृष्ण को सब ग्वाला मित्र चुटकी बजा-बजाकर हँसते हैं। उन्हें बलराम ने ही ऐसा करना सिखाया है। कृष्ण माँ से कहता है कि माँ सिर्फ उसी को ही मारना सीखी है। वह कभी भाई पर गुस्सा नहीं करती। कृष्ण के क्रोधित मुख और बातों को सुनकर यशोदा माता खुश हो जाती है। वह कृष्ण को समाधान करती है कि बलराम जन्म से दृष्ट है। गोधन की कसम, वह ही कृष्ण की माता और कृष्ण उसका पुत्र है।

IV अनुरूपता :

1. बलभद्र : बलराम :: कान्ह : —— कृष्ण
2. जसोदा : माता :: नंद : ——— पिता
3. रिझता : मोहित होना :: खिजाना : ——— चिढाना
4. बलबीर : बलराम :: जसोदा : ———- यशोदा

V. पद्यभाग पूर्ण कीजिए :

1. **गोरे नंद .... सरीर।**

   .... बलबीर ।।

   उत्तर:गोरे नंद जसोदा गोरी, तुम कत स्याम सरीर।

   चुटकी है है हँसत ग्वाल सब सिखे देत बलबीर ।।

2. **सुनहु कान्ह .... ।**

   .... तू पूत।।

   उत्तर: सुनहु कन्ह बलभद्र चबाई, जनमत की हो धूत।

   सूर स्याम मोहि गोधन की सौ, हैं माता तू ॥

VI. सही शब्द चुनकर लिखिए : (चुगलखोर, गोरी, श्याम, चुटकी, बाल-लीला)

जसोदा – गोरी

कृष्ण – श्याम

ग्वाल मित्र – चुटकी

बलराम -चुगलखोर

कृष्ण की – बाल-लीला

VIII. आधुनिक रूप लिखिए :

उदा : मैया – माता

मोहिं – मुझे

मोसों – मुझसे

रीर – क्रोध के कारण

सरीर – शरीर

सिखै – सिखाना

जसुमति यशोमती

धूत – धूर्त/दृष्ट

कान्ह – कृष्ण

पूत – पुत्र

जनमत – जन्म से

पाठ – 15 कर्नाटक – संपदा

पाठ का आशय

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसि'। प्रत्येक व्यक्ति का अपनी जन्मभूमि से अनुराग और उस पर अभिमान करना सहज है। कर्नाटक हमारी जन्मभूमि है। यहाँ की प्राकृतिक सुषमा, साहित्यिक वैभव और ज्ञान-विज्ञान क्षेत्र की प्रगति अपार है। देश-विदेश के लोग यहाँ की तकनीकी के विकास की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हैं। इस संदर्भ में प्रस्तुत पाठ अत्यंत प्रासंगिक एवं सार्थक है।

शब्दार्थ

- आबादी - जनसंख्या,
- सँवारना - सजाना,
- सुषमा - अत्यधिक सुंदरता,
- लहराना - तरंगित होना,
- छोर - किनारा, अंतिम सिरा;
  घाट - Ghats,
- चढ़ाव-उतार का पहाड़ी मार्ग;
- ऊर्जा - शक्ति, Energy;
- उपलब्धि - प्राप्ति, सिद्धि;
- पटल - परदा,
- धातु - खनिज पदार्थ,
- इस्पात - फौलाद, Steel
- विपुल - अधिक,
- आगार - घर,
- सींचना - भिगोना, पानी देना;
- वास्तुकला - इमारत-मकान आदि बनाने की कला,
- आवली - कतार, पंक्ति;
- दिग्गज - महान् व्यक्ति,
- प्रौद्योगिकी - तकनीकी,
- प्रतिमा - मूर्ति,
- अद्वितीय - जिसके समान दूसरा न हो,
- दृष्टांत - उदाहरण,
- श्रीवृद्धि - उन्नति, प्रगति;
- योगदान सहयोग देना,
- अनमोल अमूल्य, बेजोड़।

ಸಾರಾಂಶ:

ಕರ್ನಾಟಕವು ದೇಶದಲ್ಲೆಲ್ಲ ಅತ್ಯಂತ ವೇಗವಾಗಿ ಪ್ರಗತಿ ಹೊಂದುತ್ತಿರುವ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು. ಇದರ ಜನಸಂಖ್ಯೆ ಸುಮಾರು ಆರು ಕೋಟಿ, ಕರ್ನಾಟಕದ ಸ್ವಾಭಾವಿಕ ಸೌಂದರ್ಯ ಅಪಾರ. ಇದರ ಪಶ್ಚಿಮದಲ್ಲಿ ಅರಬ್ಬಿ ಸಮುದ್ರವಿದೆ. ಉತ್ತರದಿಂದ ದಕ್ಷಿಣದ ಕಡೆಗೆ ವ್ಯಾಪಿಸಿರುವ ಪಶ್ಚಿಮ ಘಟ್ಟಗಳೆಂಬ ಬೆಟ್ಟಸಾಲು ಇದೆ. ಕನ್ನಡವು ಇಲ್ಲಿಯ ಪ್ರಮುಖ ಭಾಷೆ ಮತ್ತು ಬೆಂಗಳೂರು ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ. ಈ ನಗರವನ್ನು ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸ, ವಾಣಿಜ್ಯ ಮತ್ತು ವಿಜ್ಞಾನಗಳ ಪರಿಗಣಿಸ ಲಾಗಿದೆ. ಇದನ್ನು 'ಸಿಲಿಕಾನ್ ಸಿಟಿ' 'ಭಾರತದ ಸಿಲಿಕಾನ್ ಕಣಿವೆ' ಎಂದು ಕರೆಯಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಸರ್ ಸಿ.ವಿ. ರಾಮನ್, ಸರ್ ಎಂ. ಶ್ವರಯ್ಯ, ಡಾ|| ಸಿ.ಎನ್.ಆರ್. ರಾವ್, ಡಾ|| ಶಕುಂತಲಾದೇವಿ ಮುಂತಾದ ಪ್ರಖ್ಯಾತರು ಮತ್ತು ಡಾ|| ನಾರಾಯಣ ಮೂರ್ತಿಯವರಂತಹ ಉದ್ಯಮಿಗಳು ಕರ್ನಾಟಕಕ್ಕೆ ಹೆಮ್ಮೆಯನ್ನು ತಂದಿದ್ದಾರೆ. ಡಾ|| ಸಿ.ಎನ್.ಆರ್. ರಾವ್‌ರವರಿಗೆ 2013 ರಲ್ಲಿ ಭಾರತದ ಸರ್ವೋನ್ನತ ನಾಗರೀಕ ಗೌರವವಾದ 'ಭಾರತರತ್ನ'ವನ್ನು ನೀಡಿ

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಚಿನ್ನ ಕಂಚು ಮತ್ತು ಕಬ್ಬಿಣದ ವಿಸ್ತಾರವಾದ ನಿಕ್ಷೇಪಗಳಿವೆ. ಭದ್ರಾವತಿಯು ಪೇಪರ್, ಕಬ್ಬಿಣ ಮತ್ತು ಕಲ್ಲಿದ್ದಲಿನ ಉದ್ಯಮಗಳ ತವರು. ಕನ್ನಡನಾಡು ಸಕ್ಕರೆ, ಸಿಮೆಂಟು ಮತ್ತು ರೇಷ್ಮೆ ಉದ್ಯಮಗಳ ಆವಾಸವೂ ಹೌದು. ಕರ್ನಾಟಕವು 'ಗಂಧದ ನಾಡು' ಎಂದು ಹೆಸರಾಗಿದೆ. ಕಾವೇರಿ, ಕೃಷ್ಣ ಮತ್ತು ತುಂಗಭದ್ರಾ ನದಿಗಳು ಈ ನಾಡಿನ ಲಕ್ಷಾಂತರ ಎಕರೆ ಜಮೀನಿಗೆ ನೀರುಣಿಸುತ್ತವೆ. ದೇಶದ ಅತಂತ ಸುಂದರ ಜಲಪಾತಗಳಾದ ಜೋಗ, ಅಬ್ಬೆ, ಗೋಕಾಕ ಮತ್ತು ಶಿವನಸಮುದ್ರಗಳು ಇಲ್ಲಿವೆ. ಬಾದಾಮಿ, ಐಹೋಳ ಮತ್ತು ಪಟ್ಟದಕಲ್ಲುಗಳು ತಮ್ಮ ಅದ್ವಿತೀಯ ಶಿಲ್ಪಕಲಾ ಹಾಗೂ ವಾಸ್ತು ಸೌಂದಯಕ್ಕೆ ಹೆಸರಾಗಿವೆ. ಬೇಲೂರು, ಹಳೇಬೀಡು ಮತ್ತು ಸೋಮನಾಥಪುರಗಳಲ್ಲಿರುವ ದೇವತಾ ವಿಗ್ರಹಗಳು ಮನಮೋಹಕ, ಶ್ರವಣಬೆಳಗೊಳ ದಲ್ಲಿರುವ 57 ಅಡಿ ಉದ್ದದ ಗೊಮ್ಮಟೇಶ್ವರನ ಶಿಲ್ಪವು ಬಹಳ ಆಕರ್ಷಕವಾಗಿದ್ದು ಅನೇಕ ಪ್ರವಾಸಿಗರನ್ನು ಆಕರ್ಷಿಸುತ್ತದೆ. ಸುಂದರ ಕಲಾಕೃತಿಗಳಿವೆ. ಗೋಲ್ ಜಗನ್ಮೋಹನ ಅನೇಕ

ಕರ್ನಾಟಕವನ್ನು ಹಿಂದೆ ಅನೇಕ ರಾಜವಂಶಗಳು ಆಳಿವೆ. ಅವರಲ್ಲಿ ಅತಂತ ಪ್ರಾಚೀನರೆಂದರೆ ಗಂಗರು, ಕದಂಬರು, ರಾತ್ಮಕೂಟರು, ಚಾಲುಕ್ಯರು, ಹೊಯ್ಸಳರು ಮತ್ತು ಒಡಯರ್ ಗಳು, ಕೃಷ್ಣದೇವರಾಯ, ಮದಕರಿನಾಯಕ, ಅಬ್ಬಕ್ಕದೇವಿ, ಕಿತ್ತೂರು ಚೆನ್ನಮ್ಮ ಮತ್ತು ಇಮ್ಮಡಿ ಪುಲಿಕೇಶಿ ಮುಂತಾದ ರಾಜರು ತಮ್ಮದಟ್ಟ ಪ್ರಭಾವವನ್ನು ಉಳಿಸಿಹೋಗಿದ್ದಾರೆ.

ಬಸವಣ್ಣ, ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ, ಸರ್ವಜ್ಯ ಮುಂತಾದ ಸಂತರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಪರಂಪರೆಯನ್ನು ಹುಟ್ಟು ಹಾಕಿದರೆ, ಪುರಂದರದಾಸ, ಕನಕದಾಸ ಮುಂತಾದ ಭಕ್ತಿಕವಿಗಳು ಧಾರ್ಮಿಕ ಶ್ರದ್ಧಾಭಕ್ತಿಗಳನ್ನು ಪ್ರಚುರಪಡಿಸಿದರು. ಈ ಮಹನೀಯರಲ್ಲದೆ ಪಂಪ, ರನ್ನ, ಪೊನ್ನ ಕುಮಾರವ್ಯಾಸ, ಹರಿಹರ, ರಾಘವಾಂಕ ಮುಂತಾದ ಮಹಾಕವಿಗಳು ಕನ್ನಡ

ಸಾಹಿತ್ಯವನ್ನು ಶ್ರೀಮಂತಗೊಳಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಆಧುನಿಕ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಶೇಪ್ಪ ಲೇಖಕರಾದ ಕುವೆಂಪು, ಬೇಂದ್ರೆ, ಕಾರಂತ, ಮಾಸ್ತಿ, ಗೋಕಾಕ್, ಯು.ಆರ್. ಅನಂತ ಮೂರ್ತಿ, ಗಿರೀಶ್ ಕಾರ್ನಾಡ್ ಮತ್ತು ಚಂದ್ರಶೇಖರ ಕಂಬಾರರಿಗೆ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯಕ್ಕೆ ಅವರು ನೀಡಿರುವ ಕೊಡುಗೆಗಾಗಿ ಜ್ಞಾನಪೀಠ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಸಂದಿದೆ. ಇದು ಕರ್ನಾಟಕಕ್ಕೆ ಹೆಮ್ಮೆಯ ಸಂಗತಿಯಾಗಿದೆ.

I. एक वाक्य मे उत्तर लिखिए :

1. **पच्चीमी घाट किसे कहते हैं ?**

   उत्तर :- कर्नाटक के दक्षिण से उत्तर तक फैली पर्वतमालाओं को पच्चीमी घाट कहते हैं ।

2. **कर्नाटक में कौन-कौन से जलप्रपात हैं ?**

उत्तर :- कर्नाटक में जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि जलप्रपात हैं ।

3. **श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई कितनी है ?**

   उत्तर :- श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई 57 फुट है ।

4. **किस नगर को सिलिकॉन सिटी कहा है ?**

   उत्तर :- बेंगलूरु नगर को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है ।

5. **भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए ?**

   उत्तर :- भद्रावती मे कागज, लोहे और इस्पात के बड़े कारखाने है ।

6. **सेंट फिलोमीना चर्च किस नगर मे है ?**

   उत्तर :- सेंट फिलोमीना चर्च मैसूर नगर मे है ।

7. **विजयपुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन – सा है ?**

   उत्तर :- विजयपुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान गोलगुंबज है।

8. **अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा मे है?**

   उत्तर :- अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिमी दिशा मे है।

9. **कर्नाटक की दक्षिण में कौन-सी पर्वमालाएँ शोभायमान है?**

10. उत्तर :- कर्नाटक की दक्षिण में नीलगिरी पर्वमालाएँ शोभायमान है?

II . दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन-कौन-से हैं ?

उत्तर :- कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ है- कावेरी, कृष्णा, तुंगभद्रा आदि । कर्नाटक के प्रमुख जलप्रपात है- जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि ।

2.कर्नाटक के किन सहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है ?

उत्तर :- कर्नाटक के निम्न साहित्यकरों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है- कुवेंपु, द.रा. बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ.गोकाक, यू.आर.अनंतमूर्ति, गिरिश कार्नाड तथा चंद्रशेखर कंबार ।

3.बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग है ?

उत्तर :- नदियों पर बाँध बनाये जाने से हजारों एकड़ की जमीन को सींचा जा सकता है । जलाशयों से ऊर्जा(बिजली)- उत्पादन किया जा सकता है ।

4.कर्नाटक के प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।

उत्तर :- कर्नाटक के प्रमुख राजवंशों के नाम है- गंग, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल, ओडेयर आदि।

2. **बेंगलूरु में कौन-कौन-सी बृहत् संस्थाएँ है ?**

उत्तर :- बेंगलूरु में भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल., एच.एम.टी., आई.टी.आई., बी.एच.ई.एल., बी.ई.एल., जैसी बृहत संस्थाएँ हैं।

III . **चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :**

1.कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर :- कर्नाटक की प्राकृतिक सौंदर्य नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरब्बी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सहयाद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं।

2. **कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए।**

उत्तर :- कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अदभूत हैं। बेलूर, हलेबीडु तथा सोमनाथपुर के मंदिरों की मूर्तियाँ सजीव लगती है। ये मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत तथा पुराणों की कहानियाँ सुनाती है। श्रवणबेलगोल की 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है। विजयपुर का गोलगुंबज, मैसूर का राजमहल, प्रचिन सेंट फिलोमिना चर्च आदि स्थान अत्यंत आकर्षणीय है।

3. **कर्नाटक के सहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है ?**

उत्तर :- कर्नाटक के अनेक सहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है। बसवण्णा समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे संतों ने प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। पंप, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि कवियों ने महान काव्य की रचना की। अब तक कर्नाटक के आठ साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिल चुका है। इस प्रकार उपरयुक्त सभी साहित्यकारों ने कन्नड भाषा तथा संस्कृति को समृध्द बनाया है।

IV रिक्त स्थान :

1. कर्नाटक को **चंदन** का आगार कहते हैं ।
2. गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को **त्याग और शांति** का संदेश दे रही है ।
3. मैसूर का राजमहल कर्नाटक के **वैभव** का प्रतीक है ।
4. कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की **कीर्ति** फैलायी है ।

V. कन्नड में अनुवाद :

1. कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरु है।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ ಹಾಗೂ ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಆಗಿದೆ.

2. कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಹೆಚ್ಚಿನ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿವೆ.

3. जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु आकर्षणीय है। संग्रहालय अत्यंत

ಜಗನಮೋಹನ ಅರಮನೆಯ ಪ್ರಾಚೀನ ವಸ್ತುಸಂಗ್ರಹಾಲಯ ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಕವಾಗಿದೆ.

4. वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे।

ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

VI. पर्यायवाची शब्द :	VII. विलोम शब्द :	VIII. बहुवचन रुप :
1. समुद्र रत्नाकर सिंधु	1. सुंदर x कुरुप	1. मूर्ति – मूर्तियाँ
2. घर गृह मकान	2. विदेश x स्वदेश	2. उपलब्धि – उपलब्धियाँ
3. पानी वारि अंबु	3. आदि x अनादि	3. कृति – कृतियाँ
4. नभ गगन आसमान	4. सजीव x निर्जीव	4. नीति – नीतियाँ
	5. सदाचार x दुराचार	5. संस्कृति – संस्कृतियाँ
	6. आयात x निर्यात	6. पद्धति – पद्धतियाँ

IX. विच्छेद के द्वारा संधि का नाम :

1. दिग्गज = दिक् + अज (व्यंजन संधि)
2. पर्वतावली = पर्वत + आवली (दीर्घ संधि)
3. संग्रहालया = संग्रह + आलय (दीर्घ संधि)
4. जलाशय = जल + आशय (दीर्घ संधि)
5. जगनमोहन = जगत् + मोहन (व्यंजन संधि)
6. सदाचार = सत् + आचार (व्यंजन संधि)
7. अत्यंत = अति + अंत (यण् संधि)

X . विग्रह के द्वारा समास का नाम :

1. देश-विदेश = देश और विदेश (द्वंद्व समास)
2. जलप्रपात = जल से प्रपात (तत्पुरुष समास)
3. राजवंश = राजा का वंश (तत्पुरुष समास)
4. राजमहल = राजा का महल (तत्पुरुष समास)

पाठ – 17 कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती - जगतराम आर्य

पाठ का आशय :

इस पाठ में पाँच-छः लड़के संगठित होकर अपनी बाल-शक्ति को प्रकट कर रहे हैं। यह लड़के एक साथ रहकर अच्छी आदतों को अपनाने का प्रयत्न करते हैं। इतना ही नहीं सब बच्चे मिलकर अपने गाँव को एक नया जीवन प्रदान करते हैं। इस पाठ द्वारा बाल-शक्ति का महत्व बताया जा रहा है

कवि परिचय - सोहनलाल द्विवेदी (सन् 1906 सन् 1988)

- जन्म - 23 फरवरी सन् 1906 को हुआ।
- शिक्षा - बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से एम.ए , एल.एल.बी. की डिग्री ली
- कार्यक्षेत्र - बैंकिंग का काम करते रहे। राष्ट्रीय पत्र 'दैनिक अधिकार के संपादक थे। बाल पत्रिका 'बाल- सखा का संपादन भी किया। आप महात्मा गांधी से अत्यधिक प्रभावित थे।
- उपाधि - 'राष्ट्रकवि' की उपाधि से अलंकृत किया गया।
- देहांत - सन् 1988 में राष्ट्रकवि द्विवेदी जी का देहांत हो गया।
- कृतियाँ - भैरवी, वासवदत्ता, कुणाल, पूजागीत, विषपान, युगाधार और जय गांधी। बाँसुरी, झरना, बिगुल, बच्चों के बापू, दूध बताशा, बाल भारती, शिशु भारती, नेहरू चाचा, सुजाता, प्रभाती आदि आपका प्रमुख बाल-साहित्य है।

ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸಾರಾಂಶ :

ಶ್ರೀ ಸೋಹನ್‌ಲಾಲ್ ದ್ವಿವೇದಿಯವರು ಹಿಂದಿಯ ಮಹಾನ್ ಕವಿಗಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬರು. ಜೀವನದ ಉದಾಹರಣೆಗಳಿಂದ ಸದಾಕ್ರಿಯಾಶೀಲರಾಗಿರುವಂತೆ ಪ್ರೇರೇಪಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಕವಿಯ ಆಶಯದಂತೆ ಪ್ರಯತ್ನ ಮಾಡುವ ವ್ಯಕ್ತಿ ಸಫಲನಾಗುತ್ತಾನ ಮತ್ತು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಹೊಂದುತ್ತಾನೆ. ಇರುವೆ ಮತ್ತು ಸಾಗರದಲ್ಲಿ ಮುಳುಗಿ ಮುತ್ತು ರತ್ನಗಳನ್ನು ಆರಿಸುವವರ ಉದಾಹರಣೆ ಕೊಟ್ಟು ಪ್ರಯತ್ನಶೀಲರಾಗುವಂತೆ ಕರೆ ಕೊಡುತ್ತಾರೆ. ಇರುವೆ ಆಹಾರವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗುವಾಗ ಅನೇಕ ಸಾರಿ ಗೋಡೆಯಿಂದ ಜಾರುತ್ತದೆ ಆದರೂ ಪ್ರಯತ್ನವನ್ನು ಬಿಡದೆ ಯಶಸ್ಸು ಕಾಣತ್ತದೆ. ಅದರಂತೆ ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ಮುಳುಗಿ ಬರಿ ಗೈ ಲೆ ಬಂದರು ಸತತ ಪ್ರಯತ್ನದಿಂದ ಅಮೂಲ್ಯವಾದ ಮುತ್ತುರತ್ನಗಳನ್ನು ಆರಿಸಿ ತರುತ್ತಾರೆ. ಆದುದರಿಂದ ಪ್ರಯತ್ನ ವನ್ನು ಬಿಡಬಾರದು'ಮರಳಿ ಯತ್ನವ ಮಾಡು ಮರಳಿ ಯತ್ತವ ಮಾಡು' ಎಂಬುದು ಯಶಸ್ಸಿನ ಮಂತ್ರ. ಅಪಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಹೆದರಿ ಎಂದೂ ಇಟ್ಟ ಹೆಜ್ಜೆ ಹಿಂದೆ ತೆಗೆಯಬಾರದು ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರು ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ಕುಂದು ಕೊರತೆಗಳನ್ನು ಅರಿತು ಬಲಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸತತ ಪ್ರಯತ್ನದಿಂದ ಏನನ್ನು ಬೇಕಾದರೂ ಸಾಧಿಸಬಹುದು. ಹಾಗೂ ಸೋಲುಹತ್ತಿರ ಬರದು.

शब्दार्थ :

- लहर-तरंग, बहाव;
- नौका-नाव
- कोशिश -प्रयास, प्रयत्न ;
- हार-पराजय, विफलता;
- नन्हीं-छोटी, लघु;
- दाना-धान्य,
- अनाज, कण (Grain);
- दीवार- भित्ति (Wall),
- विश्वास-भरोसा, यकीन;
- रग-नस, स्नायु, नाड़ी (Nerve);
- साहस-धैर्य, हिम्मत, हौसला (Courage);
- अखरना-बुरा लगना,
- मेहनत-परिश्रम,
- बेकार-व्यर्थ, निरर्थक;
- सिंधु-सागर, समुद्र, अंबुधि;
- गोताखोर-तैराक,
- हैरान होना-आश्चर्यचकित होना,
- चुनौती-दावा, ललकार;
- कमी-अभाव, न्यूनता;
- चैन - आराम, सुख, संघर्ष-टकराव।

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1.किससे डरकर नौका पार नहीं होती ?

उत्तर: लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।

2. किनकी हार नहीं होती है ?

उत्तर: कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती है

3. दाना लेकर कौन चलती है ?

उत्तर: नन्हीं चींटी दाना लेकर चलती है।

4. चींटी कहाँ चढती है?

उत्तर: चींटी दीवारों पर चढती है।

5. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती ?

उत्तर: चींटी की मेहनत बेकार नहीं होती।

6. सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है ?

उत्तर: सागर में गोताखोर डुबकियाँ लगाता है

7. मोती कहाँ मिलता है?

उत्तर: मोती सागर में मोती गहरे मिलता है ।

8. किसकी मुटठी खाली नहीं होती ?

उत्तर: प्रयास (कोशिश) करनेवालों की मुटठी खाली नहीं होती

9. किसको मैदान छोडकर भागना नहीं चाहिए ?

उत्तर: संघर्ष करनेवालों को मैदान छोडकर भागना नहीं चाहिए

10. कुछ किए बिना ही क्या नहीं होती है ?

उत्तर: कुछ किए बिना ही जयजयकार नहीं होती।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. चीटी के बारे में कवि क्या कहते है ?

उत्तर: चींटी जब दाना लेकर चलती है तो दीवार पर चढ़ते हुए सौ बार फिसलती है। लेकिन फिर भी वह हार नहीं मानती। आखिर में वह सफल होती है।

2. गोताखोर के बारे में कवि के विचार क्या है ?

उत्तर: गोताखोर कई बार डुबकियाँ लगाने पर भी खाली हाथ लौट आता है। लेकिन उसका उत्साह दुगना हो जाता है। उसकी मुट्ठी में मोती अवश्य आते हैं।

3. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या कहते है ?

उत्तर: असफलता से सफलता की ओर जानेवाले के बारे में कवि का यह कहना है कि असफलता एक चुनौती है उसे स्वीकार करें । साहस और विश्वास के साथ उसका सामना करें । जब तक सफलता हासिल न हो तब तक कोशिश करनी चाहिए ।

III. जोडकर लिखिए :

1. लहर	1. नौका
2. चींटी	2. दाना
3. गोताखोर	3. डुबकियाँ
4. असफलता	4. चुनौती
5. कमी	5. सुधार

IV. भावार्थ लिखिए:

नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढकर गिरना, गिरकर चढना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालो की कभी हार नहीं होती।
नन्हीं चींटी ……….. हार नहीं होती।
कवि – सोहनलाल दविवेदी

कविता – कोशिश करने वालों की कभी हार नही होती भावार्थ – प्रस्तुत पंक्तियों में कवि यह कहना चाहते है कि नन्ही चींटी दाना लेकर जब दीवार पर चढने का प्रयास करती है तब सौ बार फिसलती है, मगर वह हार नहीं मानती । लगातार कोशिश करती रहती है और दीवार पार कर जाती है । ठीक उसी प्रकार हमें जीवन में
आनेवाले संघर्ष से डरकर भागना नहीं चाहिए । लगातार प्रयासों के साथ मुकाबल कर जीत हासिल करनी चाहिए।

VIII. कविता की अंतिम पंक्तियों को कंठस्थ करके लिखिए :

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई , देखो और सुधार करो ।
जबतक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम ।
कुछ किडा बिना ही जय-जयकार नही होती,
कोशिश करनेवालों की कमी हार नहीं होती ।

IX . अनुरुपता

1.मेहनत : परिश्रम :: कोशिश : प्रयास
2. चढना : उतरना :: हारना : जीतना
3.स्वीकार : इन्कार :: चैन : बेचैन
4.सिंधु : समुद्र :: हाथ : कर

10 दसवीं कक्षा

कोशिश

एक कदम आगे...

अध्ययन सामग्री

ಸಂಪಾದಕರು:

ಡಾ. ಎನ್ ದೇವರಾಜ್

ಎಮ್.ಎ, ಎಮ್.ಎಡ್, ಪಿಎಚ್.ಡಿ, ಎಮ್.ಬಿ.ಎ
ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು
ಮೊರಾರ್ಜಿ ದೇಸಾಯಿ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಸಾಮಾನ್ಯ)
ಚಾಮರಾಜಪೇಟೆ ಬೆಂಗಳೂರು -18   560 026
ಮೊ. ನಂಬರ : 9449214660

ಶ್ರೀ ಬಸವರಾಜ ಭೂತಿ

ಎಮ್. ಎ, ಬಿ.ಎಡ್
ಹಿಂದಿ ಸಹ ಶಿಕ್ಷಕರು
ಕಿತ್ತೂರು ರಾಣಿ ಚೆನ್ನಮ್ಮ ವಸತಿ ಶಾಲೆ (ಪ.ಪಂ) ಬೇವಿನಹಳ್ಳಿ
ಕ್ರಾಸ್, ಶಹಾಪುರ. ಜಿಲ್ಲಾ ಯಾದಗಿರ. 585 223
ಮೊ. ನಂಬರ : 9900804567

ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ ಈ ಬ್ಲಾಗಿಗೆ ಭೇಟಿ ನೀಡಿ

bhootibasu.blogspot.com